

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-8>> मुख्यमंत्री साय ने 21 विकास ...



गुलवीर ने कराई चांदी और आए चार कांस

एशियाड : कमलजीत-सुरुचि का रिकॉर्ड स्वर्ण

आइची नागोया । एशियन गेम्स 2026 में भारत के लिए शुक्रवार का दिन उतार-चढ़ाव से भरा रहा। छठे दिन भारतीय खिलाड़ियों ने शूटिंग, एथलेटिक्स और टेबल टेनिस में कुल छह पदक अपने नाम किए। कमलजीत और सुरुचि सिंह ने शूटिंग में एशियन रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीतकर लंबे इंतजार को खत्म किया। वहीं गुलवीर सिंह ने पुरुषों की 10 हजार मीटर दौड़ में रजत पदक अपने नाम किया। शूटिंग में पुरुषों की 50 मीटर राइफल श्री पोजिशन टीम ने भी रजत जीता, जबकि मनप्रती कोर, बरानिका इलांगोवन और मानुष शाह-दिया चिताले ने कांस्य पदक दिलाए। हालांकि, दिन की सबसे बड़ी निराशा बैडमिंटन में मिली, जहां गत चैंपियन सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी पुरुष डबल्स के



पहले ही दौर में हारकर बाहर हो गए। दूसरी ओर कबड्डी में महिला और पुरुष दोनों टीमों ने फाइनल में जगह बनाई और स्कॉश में भारत ने तीन पदक पकड़े कर लिए।

भारत को छठे दिन का पहला बड़ा पदक शूटिंग से मिला। कमलजीत और सुरुचि सिंह की जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक

जीता। भारतीय जोड़ी ने फाइनल में 484.6 अंक हासिल किए और एशियन गेम्स के साथ-साथ एशियन रिकॉर्ड भी अपने नाम किया।

सुरुचि ने 245.7 और कमलजीत ने 238.9 अंक का योगदान दिया। भारतीय जोड़ी शुरुआत से ही मुकाबले में बढ़त बनाए रही और अंत तक उसे कायम रखा। दक्षिण कोरिया ने

478.0 अंक के साथ रजत और ईरान ने 415.8 अंक के साथ कांस्य पदक जीता। इस स्वर्ण ने भारतीय शूटिंग दल को भी राहत दी, क्योंकि 10 मीटर एयर पिस्टल की व्यक्तिगत और टीम स्पर्धाओं में भारत पदक नहीं जीत सका था। कमलजीत और सुरुचि का प्रदर्शन शूटिंग में आगे आने वाली स्पर्धाओं के लिए अहम साबित हो सकता है।

पुरुषों की 50 मीटर राइफल श्री पोजिशन टीम स्पर्धा में ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, रुद्राक्ष पाटिल और नीरज कुमार की टीम ने रजत पदक जीता। भारत ने 1762-94× का स्कोर किया, जबकि चीन ने 1766-95× के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। दक्षिण कोरिया को कांस्य मिला। भारत लंबे समय तक स्वर्ण की दौड़ में बना हुआ था, लेकिन चीन ने अंतिम चरण में बेहतर प्रदर्शन करते हुए चार अंकों की बढ़त हासिल कर ली। ऐश्वर्य और नीरज ने व्यक्तिगत फाइनल में भी जगह बनाई। ऐश्वर्य 589-34× के साथ तीसरे और नीरज 588-34× के साथ चौथे स्थान पर रहे। रुद्राक्ष 585-26× के साथ नौवें स्थान पर रहे और एक देश से अधिकतम दो निशानेबाजों के फाइनल में पहुंचने के नियम के कारण व्यक्तिगत फाइनल में जगह नहीं बना सके।

पाकिस्तानी पत्रकार को हंसते हुए जयशंकर ने लगाई लताड़

हाफिज सईद पर कार्रवाई को लेकर फिर सवाल किया

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में शुक्रवार को विदेश मंत्री एस. जयशंकर की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक पाकिस्तानी पत्रकार ने भारत को लेकर टिप्पणी करते हुए सवाल करने की कोशिश की। पत्रकार के लगातार बोलने पर जयशंकर ने हल्की मुस्कान के साथ कहा, एक आतंकी देश मुझे से ये पूछ रहा है? चलिए। यह प्रेस कॉन्फ्रेंस लाइब्रेरिया की विदेश मंत्री सारा बेसोलो न्यांती के साथ 'ग्रउपप ऑफ फ्रेंड्स ऑन सेप्टी एंड सिक्वोरिटी ऑफ शिपिंग एंड सीफेरस' की शुरुआत के मौके पर हो रही थी। जयशंकर के जवाब के बाद भी पाकिस्तानी पत्रकार अपनी बात कहता रहा।



इस पर संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने उसे रोकते हुए कहा, आपने उन्हें बिल्कुल साफ-साफ सुन लिया है। इसके बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में जयशंकर के जवाब की चर्चा होने लगी। इस घटनाक्रम से एक दिन पहले एक भारतीय पत्रकार ने

संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रवेश द्वार के पास पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से सवाल किया था। पत्रकार ने पूछा था, प्रधानमंत्री, आप आतंकियों को पनाह देना कब बंद करेंगे? इसके बाद हाफिज सईद को लेकर भी सवाल किया गया कि पाकिस्तान उसके खिलाफ मुकदमा कब चलाएगा। शहबाज शरीफ दोनों सवालों का जवाब दिए बिना आगे बढ़ गए। शहबाज शरीफ के संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय पहुंचने के दौरान उनसे आतंकियों को पनाह देने पर सवाल पूछा गया ब्वाहर निकलते समय पत्रकार ने उनसे लश्कर-ए-तैयबा प्रमुख हाफिज सईद पर कार्रवाई को लेकर फिर सवाल किया।

सौरव -अभिजीत -आशुतोष को हाईकोर्ट से मिला नोटिस

नई दिल्ली। हाई कोर्ट ने शुक्रवार को मेटा प्लेटफॉर्मस को निर्देश दिया कि वे सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक महिला की तस्वीर वाले मॉर्फ़ड कंटेंट को तुरंत हटा दें। जस्टिस गिरीश कटपालिया ने कहा कि यह मामला एक असाधारण स्थिति है, क्योंकि इसमें न केवल एक महिला बल्कि देश के प्रधानमंत्री भी शामिल हैं। कोर्ट ने आगे कहा कि अगर दिल्ली पुलिस इस मामले को लेकर संवेदनशील नहीं है, तो कोर्ट यह सुनिश्चित करेगा कि वह संवेदनशील बने। हाई कोर्ट ने महिला की याचिका पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेताओं – सौरव दास, अभिजीत दिपके, आशुतोष रंका और रत्ना सिंह – को भी नोटिस जारी किया है। महिला का आरोप है कि इन नेताओं ने प्रधानमंत्री के साथ



उसकी मॉर्फ़ड (छेड़छाड़ की गई) तस्वीर फेलाई थी। कोर्ट जाने वाली महिला ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उसकी एआई से बनी तस्वीरें ऑनलाइन फैलने लगी थीं। उसने कोर्ट से मांग की है कि एआई से बनी इन सभी तस्वीरों को अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (जो मेटा के हैं) और सभी मौजूदा वेबसाइटों से हटाया जाए। उसने इस हरकत के लिए सीजेपी कार्यकर्ताओं सौरव दास, अभिजीत दिपके, आशुतोष रंका और रत्ना सिंह को जिम्मेदार ठहराया है। फिलहाल ये उसके आरोप हैं, हालांकि अभी तक कुछ भी साबित नहीं हुआ है।

चुनाव आयोग से तीखे सवाल पूछने लगे चिराग पासवान?

नई दिल्ली। अब तक चुनाव आयोग पर सवाल उठाने वालों में विपक्ष सबसे आगे था, लेकिन अब सत्ता पक्ष के भीतर से भी चुनाव आयोग को लेकर आवाज उठाने लगी है। यही इस पूरे विवाद का सबसे अहम पहलू है। केंद्रीय मंत्री और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के प्रमुख सहयोगी चिराग पासवान ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से साफ कहा है कि अगर चुनाव प्रक्रिया को लेकर लोगों के मन में सवाल उठ रहे हैं तो चुनाव आयोग को अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। उनका कहना है कि आयोग को सफाई राहुल गांधी को नहीं, बल्कि देश की जनता को देनी चाहिए।

हम आपको बता दें कि मामला इसलिए गरम है क्योंकि चुनाव आयोग के भीतर ही मतभेदों की खबर सामने आई है। द इंडियन एक्सप्रेस की पड़ताल के मुताबिक तीन सत्तवीय चुनाव आयोग में चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले दस महीनों में कम से कम 14 मौकों पर मुख्य चुनाव आयुक्त के नेतृत्व में लिए जा रहे फैसलों और निर्देशों पर औपचारिक आपत्तियां दर्ज कीं। ये आपत्तियां मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़े कामकाज, प्रपत्रों में बदलाव, आंकड़ों और मतदाता सूची से नाम हटाने जैसे मुद्दों को



लेकर थीं। अब यहां से कहानी विपक्ष बनाम चुनाव आयोग की सीधी लड़ाई से आगे निकल जाती है। विपक्ष पहले से आरोप लगा रहा है कि चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल हैं। राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग तक कर दी है। कांग्रेस सहित विपक्षी दल संसद में भी मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी में हैं।

उधर, सत्ता पक्ष की तरफ से भी वज्र मोड़ होता है जहां बात आरोप-प्रत्यारोप से निकलकर भरोसे के सवाल पर आ जाती है। चुनाव जीतने-हारने का फैसला जनता करती है, लेकिन चुनाव कराने वाली संस्था की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े होने लगें तो उसका असर किसी एक दल की राजनीति तक सीमित नहीं रहता।

बीजेपी के लिए काम कर रहे ज्ञानेश कुमार : चिदंबरम

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने पूरी तरह से असंवैधानिक और अधिकांश क्षेत्र से बाहर जाकर फैसले लिए हैं और कहा कि उन्हें अपने पद से हट जाना चाहिए। एक इंटरव्यू में पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि संबंधित फाइलों को सार्वजनिक किया जाना चाहिए। चिदंबरम ने कहा हमारा आरोप है कि मुख्य चुनाव आयुक्त बीजेपी के लिए काम कर रहे हैं। वह बीजेपी का प्रतिनिधित्व करते हैं। अगर चुनाव आयोग ने यह बयान जारी किया है कि सभी फैसले सर्वसम्मति से लिए गए थे, तो फाइलों को सार्वजनिक किया जाए। चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने 10 महीनों में मतदाता सूची और डेटाबेस एक्ससेस से जुड़े फैसलों और प्रक्रियाओं पर कम से कम 14 बार आपत्ति जताई थी। चिदंबरम ने एएनआई से कहा, श्री संधू और श्री जोशी ने कहा है कि ईसीआई के आधिकारिक कम्युनिकेशन ईसीआई की मंजूरी के बिना जारी किए गए हैं। अगर ईसीआई की मंजूरी ली गई थी, तो फाइल दिखाएं। उन्होंने आगे कहा जोशी ने कहा है कि एक साल से ज्यादा समय से, मॉटिंग से पहले कोई एजेंडा और मॉटिंग के बाद कोई मिनट्स (कार्यवृत्त) स्कूलेंटेएनहीं किए गए। मुझे लगता है कि चुनाव आयोग ने माना है कि 2018 से—यानी भाजपा के सत्ता में आने के बाद से—कोई एजेंडा स्कूलेंट नहीं किया जाता, कोई मिनट्स स्कूलेंट नहीं किए जाते।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय प्रमुख समाचार

मुख्यमंत्री साय ने मदकूलीप के प्राचीन मंदिरों में की पूजा-अर्चना

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज मुंगेली जिले के पथरिया विकासखंड स्थित ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक स्थल हरिहर क्षेत्र केदार मदकूलीप पहुंचकर प्राचीन रामाश्रय एवं गणेश मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री ने भगवान से छत्तीसगढ़ की निरंतर प्रगति तथा प्रदेशवासियों के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने मंदिर परिसर में आयोजित कन्या पूजन में श्रद्धापूर्वक कन्याओं का पूजन कर उनका आशीर्वाद लिया। इसके पश्चात वे कन्या भोज में शामिल हुए और प्रसाद ग्रहण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति में कन्याओं को शक्ति का स्वरूप माना गया है। कन्या पूजन हमारी समृद्ध परंपरा में मातृशक्ति के प्रति श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता की अभिव्यक्ति है।

सुवेंदु अधिकारी सरकार को लगा बड़ा झटका

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में समाज-विरोधी गतिविधियों पर लगाम लगाने के उद्देश्य से लाया गया पश्चिम बंगाल सार्वजनिक सुरक्षा एवं समाज-विरोधी गतिविधि नियंत्रण विधेयक, 2026 अब संवैधानिक और कानूनी समीक्षा के महत्वपूर्ण दौर में पहुंच गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विधेयक को मंजूरी देने की बजाय पुनर्विचार के लिए वापस भेज दिया है। दरअसल, केंद्र की आपत्ति मुख्य रूप से इस बात को लेकर है कि विधेयक का एक प्रावधान मादक पदार्थों से जुड़े मामलों में पहले से मौजूद केंद्रीय कानून के साथ समानांतर व्यवस्था खड़ी कर सकता है। वैसे यहां एक बात को स्पष्ट रूप से समझना जरूरी है। बंगाल में कानून-व्यवस्था और राजनीतिक हिंसा को लेकर लंबे समय से आरोप-प्रत्यारोप होते रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस के शासनकाल में राजनीतिक हिंसा, दबंगई तथा असामाजिक गतिविधियों के प्रकरण सामने आते रहे हैं। हालांकि इन आरोपों को लेकर राजनीतिक विवाद अपनी जगह है।

एसआई-एसआई समेत 24 पुलिस कर्मियों का तबादला

अंबिकापुर। पुलिसिंग में कसावट लाने के लिए डीआईजी राजेश अग्रवाल ने जिले में पदस्थ 24 सब-इंस्पेक्टर, असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर, प्रधान आरक्षक और आरक्षकों का स्थानांतरण कर उन्हें नवीन पदस्थापना स्थल पर पदस्थ किया है। किसी को लाइन से थाने में भेजा गया तो किसी को थाने-चौकियों से लाइन अटेच किया गया। इस फेरबदल में एसआई रमिश सिंह को रक्षित केंद्र अंबिकापुर से प्रभारी सीसीटीएनएस शाखा की जिम्मेदारी दी गई है। एएसआई अदीप प्रताप सिंह को थाना अंबिकापुर से थाना गांधीनगर, आलोक सोनी को लखनपुर से अंबिकापुर, लालन प्रसाद गुप्ता को गांधीनगर से कमलेश्वरपुर, बैजनाथ को कमलेश्वरपुर से लखनपुर तथा गोमती प्रसाद को अजाक थाना से रक्षित केंद्र अंबिकापुर भेजा गया है। इसके अलावा यातायात शाखा में तैनात प्रधान आरक्षक विमल कुमार सिंह को चौकी केदमा भेजा गया है जबकि चौकी केदमा के प्रधान आरक्षक नामूल राम को रक्षित केंद्र स्थानांतरित किया गया है। प्रधान आरक्षक अजय पाण्डेय को थाना लखनपुर से थाना गांधीनगर, अमित प्रताप सिंह को थाना गांधीनगर से थाना लखनपुर, जगदीप सिंह को रक्षित केंद्र अंबिकापुर से साइबर सेल अंबिकापुर में स्थानांतरण किया गया है।

28 से 30 सितंबर तक सभी एटीएम लेनदेन रहेंगे मुफ्त

नई दिल्ली। देशव्यापी बैंक हड़ताल के बीच भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने ग्राहकों को बड़ी राहत दी है। बैंक ने घोषणा की है कि 28 से 30 सितंबर तक सभी एटीएम लेनदेन पर कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। यह निर्णय ग्राहकों को निर्बाध बैंकिंग सुविधाएं देने और हड़ताल का प्रभाव कम करने के लिए लिया गया है। एसबीआई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक संदेश में बताया कि हड़ताल के दौरान भी उसकी सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। 28 सितंबर से 30 सितंबर 2026 के बीच किसी भी बैंक के एटीएम पर किए गए लेनदेन के लिए कोई शुल्क नहीं लेगा। ग्राहकों की सुविधा के लिए एसबीआई की सभी शाखाएं रविवार, 27 सितंबर को भी खुली रहेंगी। यूपीआई, आईएमपीएस, आरटीजीएस और एआईएफटी जैसी ऑनलाइन भुगतान सेवाएं सामान्य रूप से जारी रहेंगी। सरकार ने भी आम लोगों की बैंकिंग जरूरतों को देखते हुए सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को रविवार को खुला रखने का निर्देश दिया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 27 सितंबर को सभी बैंक शाखाओं और एटीएम से जुड़ी शाखाओं को संचालित रखने की अनुमति दी है।

6 महीने एफएसपीए नागालैंड के 9 जिले अशांत क्षेत्र घोषित



मणिपुर। केंद्र सरकार ने नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर के कई अशांत इलाकों में अफस्योी समझौते साथ-साथ चल रहे हैं। इससे ट्रंप की नीति की एक महत्वपूर्ण विशेषता दिखाई देती है टकराव और समझौता दोनों उनके दावाकार उपकरणों का हिस्सा हैं। अमेरिकी अर्थव्यवस्था की वर्तमान स्थिति का मूल्यांकन करते समय भी सावधानी आवश्यक है। जुलाई 2026 की रिपोर्ट के अनुसार 2026 की पहली तिमाही में वास्तविक लक्ष्य 2.1 प्रतिशत वार्षिक दर से बढ़ी, बेरोजगारी जून में 4.2 प्रतिशत रही और मुद्रास्फीति फेड के 2 प्रतिशत लक्ष्य से ऊपर थी। फेड ने यह भी कहा कि ऊर्जा कीमतों और व्यापार शुल्कों सहित आपूर्ति संबंधी झटकों ने कीमतों पर दबाव डाला।

डोनाल्ड ट्रंप धरतीकरण वाले राष्ट्रपति

अमेरिका की डगमगाती, अस्थिर आर्थिक और विदेश नीति

संजीव ठाकुर

ऐतिहासिक तौर पर अमेरिकी राष्ट्रपतियों का कार्यकाल 1789 से शुरू होता है।अमेरिकी राष्ट्रपतियों के इतिहास में जॉर्ज वॉशिंगटन से लेकर अब तक अनेक ऐसे राष्ट्रपति हुए जिनके निर्णयों ने अमेरिका की अर्थव्यवस्था, विदेश नीति, युद्ध, लोकतंत्र और विश्व व्यवस्था की दिशा बदल दी। क्या डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिकी इतिहास का सबसे असंतुलित और असमंजसपूर्ण निर्णय लेने वाला राष्ट्रपति कहा जा सकता है? इसका सही सही कारण भावनात्मक राजनीतिक टिप्पणी से नहीं, बल्कि इतिहास के दस्तावेजों, आर्थिक परिणामों, विदेश नीति और राष्ट्रपति के निर्णयों की निरंतरता के आधार पर तलाशना होगा।

वर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के 45वें और 47वें राष्ट्रपति हैं। उनके दो कार्यकाल लगातार नहीं रहे, इसलिए राष्ट्रपति पद की संख्या 47 है, जबकि अलग-अलग व्यक्तियों की संख्या 45 रही है। इसकी वजह 22वें राष्ट्रपति ग्रेोवर क्लीवलैंड हैं, जिन्होंने दो अलग अलग लगातार कार्यकाल पूरे किए और इसीलिए उन्हें 22वें तथा 24वें राष्ट्रपति के रूप में गिना जाता है। डोनाल्ड ट्रंप का व्यक्तित्व अमेरिकी राष्ट्रपति पद की पारंपरिक शैली से अलग रहा है। उनका राजनीतिक उदय भी पारंपरिक प्रशासनिक या सैन्य पृष्ठभूमि से नहीं, बल्कि व्यवसाय और सार्वजनिक संचार की आक्रामक शैली से हुआ। 2017 में उनके पहले कार्यकाल की शुरुआत से ही अमेरिका फर्स्ट उनकी

विदेश और आर्थिक नीति का प्रमुख सूत्र बना। व्यापार, आव्रजन, नाटो, चीन, ईरान, रूस और यूरोप के साथ संबंधों में उन्होंने लंबे समय से चली आ रही अमेरिकी नीतियों को चुनौती दी। उनके समर्थक इसे स्थापित व्यवस्था के विरुद्ध निर्णायक नेतृत्व मानते रहे, जबकि आलोचक इसे नीति-अनिश्चितता और संस्थागत परंपराओं से टकराव के रूप में देखते रहे। आर्थिक नीति के क्षेत्र में ट्रंप के पहले कार्यकाल का महत्वपूर्ण पक्ष 2017 का टैक्स कट एन्ड जॉब्स एक्ट था। उनके प्रशासन ने कॉर्पोरेट टैक्स में बड़ी कटौती की और विनियमन कम करने को आर्थिक विकास का

साधन बनाया। प्रशासन की अपनी आधिकारिक व्याख्या में इन नीतियों को रोजगार, निवेश और आर्थिक विस्तार से जोड़ा गया है। लेकिन अमेरिकी अर्थव्यवस्था को केवल राष्ट्रपति की नीतियों का परिणाम मानना भी ऐतिहासिक रूप से सही नहीं होगा। ब्याज दरें, फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति, वैश्विक व्यापार, तकनीकी परिवर्तन और महामारी जैसे कारक भी आर्थिक परिणामों को प्रभावित करते हैं। ट्रंप की आर्थिक नीति का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू संरक्षणवाद रहा। चीन के साथ व्यापार युद्ध ने अमेरिकी आर्थिक नीति को दशकों की

मुक्त व्यापार-प्रधान दिशा से हटाकर शुल्क आधारित रणनीति की ओर मोड़ा किंसल आन फोरेन रीलेसन के अनुसार ट्रंप प्रशासन ने अपने पहले कार्यकाल में चीन के लगभग आधे आयात पर शुल्क लगाए और चीन ने अमेरिकी आयात के बड़े हिस्से पर जवाबी शुल्क लगाए। समर्थकों के अनुसार इसका उद्देश्य अमेरिकी उद्योग और रोजगार की रक्षा करना था।आलोचकों ने इसके कारण लागत बढ़ने, आपूर्ति शृंखलाओं में व्यवधान और व्यापारिक तनाव बढ़ने की ओर ध्यान दिलाया। उनकी दूसरी पारी में यह नीति और अधिक व्यापक हुई। 2025 और 2026 में चीन के साथ शुल्क युद्ध कई चरणों से गुजरा। 2025 में अमेरिकी और चीनी शुल्कों में तीव्र वृद्धि के बाद बातचीत की अस्थायी समझौते के दौर

आए। सितंबर 2026 तक दोनों देशों के बीच व्यापार संबंधों में तनाव और अस्थायी समझौते साथ-साथ चल रहे हैं। इससे ट्रंप की नीति की एक महत्वपूर्ण विशेषता दिखाई देती है टकराव और समझौता दोनों उनके दावाकार उपकरणों का हिस्सा हैं। अमेरिकी अर्थव्यवस्था की वर्तमान स्थिति का मूल्यांकन करते समय भी सावधानी आवश्यक है। जुलाई 2026 की रिपोर्ट के अनुसार 2026 की पहली तिमाही में वास्तविक लक्ष्य 2.1 प्रतिशत वार्षिक दर से बढ़ी, बेरोजगारी जून में 4.2 प्रतिशत रही और मुद्रास्फीति फेड के 2 प्रतिशत लक्ष्य से ऊपर थी। फेड ने यह भी कहा कि ऊर्जा कीमतों और व्यापार शुल्कों सहित आपूर्ति संबंधी झटकों ने कीमतों पर दबाव डाला।

मुक्त व्यापार-प्रधान दिशा से हटाकर शुल्क आधारित रणनीति की ओर मोड़ा किंसल आन फोरेन रीलेसन के अनुसार ट्रंप प्रशासन ने अपने पहले कार्यकाल में चीन के लगभग आधे आयात पर शुल्क लगाए और चीन ने अमेरिकी आयात के बड़े हिस्से पर जवाबी शुल्क लगाए। समर्थकों के अनुसार इसका उद्देश्य अमेरिकी उद्योग और रोजगार की रक्षा करना था।आलोचकों ने इसके कारण लागत बढ़ने, आपूर्ति शृंखलाओं में व्यवधान और व्यापारिक तनाव बढ़ने की ओर ध्यान दिलाया। उनकी दूसरी पारी में यह नीति और अधिक व्यापक हुई। 2025 और 2026 में चीन के साथ शुल्क युद्ध कई चरणों से गुजरा। 2025 में अमेरिकी और चीनी शुल्कों में तीव्र वृद्धि के बाद बातचीत की अस्थायी समझौते के दौर



सक्ती में फड़ लगाकर जुआ खेलते 20 जुआरी गिरफ्तार

सक्ती। जिले में अवैध गतिविधियों एवं जुआ-सट्टा के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सक्ती पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए हट्टरी चौक स्थित अग्रसेन भवन के पास दबिश देकर 20 जुआरियों को रीं हाथों गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से नगदी 2,22,000, 19 नग मोबाइल फोन (अनुमानित कीमत 5 लाख) और 4 गड्डी ताश पती सहित कुल 7,22,000 का मशरूका जप्त किया है। पुलिस अधीक्षक सक्ती प्रभुल्ल कुमार ठाकुर (भा.पु.से.) के निर्देशों तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल व अनुविभागीय अधिकारी पुलिस डॉ. भुनेश्वरी पैकार के मार्गदर्शन में थाना सक्ती पुलिस द्वारा मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर अवैध गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही थी। पुलिस को सटीक सूचना मिली कि हट्टरी चौक स्थित अग्रसेन भवन के पास कुछ लोग अलग-अलग फड़ बनाकर रुपये-पैसे का दांव लगाते हुए काटपत्ती नामक जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए सक्ती पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी कर रेड मारी। पुलिस को देखकर जुआरियों में हड़कंप मच गया और कुछ ने भागने का प्रयास भी किया, लेकिन पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए सभी 20 आरोपियों को मौके पर ही धर दबोचा।

पर्युषण पर्व का समापन- श्री शांतिनाथ दिगांबर जैन मंदिर में हुआ विशेष आयोजन

बलौदा बाजार। जैन समाज बलौदा बाजार द्वारा दस दिवसीय पर्युषण पर्व का समापन अनंत चतुदशी के अवसर पर उत्साह, श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ किया गया। इस अवसर पर श्री शांतिनाथ दिगांबर जैन मंदिर में विशेष धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। समाज के श्रद्धालुओं ने भगवान जिनेंद्र की पूजा-अर्चना, अभिषेक, शांतिधारा और निर्वाण लाडू अर्पित कर धर्म आराधना की। पर्युषण पर्व जैन धर्म का एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक पर्व है, जो आत्मशुद्धि, संयम, तप, त्याग और अहिंसा का संदेश देता है। दस दिनों तक मनाए जाने वाले इस पर्व में उत्तम क्षमा, मार्दव, आर्जव, शौच, सत्य, संयम, तप, त्याग, आर्किंचन्य और ब्रह्मचर्य जैसे दस धर्मों की आराधना की जाती है। अनंत चतुदशी के दिन भगवान की विशेष पूजा-अर्चना कर श्रद्धालुओं ने धर्म और भक्ति के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। आज मूलनायक भगवान की शांतिधारा का सौभाग्य नीरज कुमार छाबड़ा, धीरज कुमार धवल दक्ष एवं समस्त छाबड़ा परिवार को प्राप्त हुआ। अनंत चतुर्दशी के पावन अवसर पर कल्या अर्पित करने का सौभाग्य प्रवीण आदि छाबड़ा, संजय पाटनी, सुजल काला, तुषार पाटनी, संजय जी सोनाडी वाले, मनोज पाटनी, नीरज छाबड़ा, सुभाष छाबड़ा, मयूर छाबड़ा, शैलेश छाबड़ा, दिव्यांश जैन और श्रेयांस पाटनी को प्राप्त हुआ।



भारी बारिश से कांकेर बेहाल, नदी नाले उफान पर, सिंगारभाट के घरों में घुसा पानी

कांकेर में मूसलाधार बारिश का दौर जारी है। जिले के कई इलाके बाढ़ में डूब चुके हैं। सुशील सलाम की रिपोर्ट

कांकेर। उत्तर बस्तर कांकेर जिले में बीते 36 से 48 घंटे से लगातार हो रही झमाझम बारिश ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। लगातार बारिश के चलते जिले के नदी-नालों का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है।



कई जगह नदी-नाले उफान पर हैं। निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बनने लगी

है। प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और नदी-नालों के आसपास नहीं जाने की अपील की है। जिला प्रशासन ने बारिश की स्थिति को देखते हुए जिले के स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी है। कई स्कूल परिसरों में भी बारिश का पानी भरने लगा है। जर्जर स्कूल भवनों को लेकर भी सुरक्षा की चिंता बढ़ गई है। पुलों के ऊपर पानी के तेज बहाव

को देखते हुए प्रशासन ने इन स्थानों पर पुलिस बल तैनात किया है, ताकि लोगों को जोखिम उठाकर पुल पार करने से रोका जा सके। जिले के कई अंदरूनी इलाकों में भी नदी-नालों का जलस्तर बढ़ने से आवाजाही प्रभावित हुई है।

जिला मुख्यालय कांकेर के सिंगारभाट इलाके में भी भारी बारिश का असर देखने को मिला है। यहां कई घरों में बारिश का पानी घुस गया है। घरों के अंदर काफी पानी भर जाने से लोगों को परेशानी का सामना करना

पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जलभराव की समस्या का जल्द समाधान करने और नालियों को सफाई कराने की मांग की है। सिंगारभाट स्कूल परिसर में भी बारिश का पानी भर गया है। लगातार बारिश के चलते जिले के कई अंदरूनी इलाकों का मुख्यालय से संपर्क प्रभावित होने की स्थिति बनी हुई है। कांकेर जिला प्रशासन की ओर से लोगों से नदी-नालों, पुल-पुलियों और जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहने की अपील की गई है

अबूझमाड़ नारायपुर का हाल, दशकों से ग्रामीण सड़क बनने का कर रहे इंतजार

नारायणपुर। जिला मुख्यालय से महज 23 किलोमीटर दूर पहाड़ों के बीच बसा गुमियाबेड़ा गांव आज भी विकास की उस सड़क का इंतजार कर रहा है, जो शायद उसके लिए किसी सपने से कम नहीं है। शहरों की चकाचौंध से महज कुछ किलोमीटर दूर यह गांव दशकों से बदहाली, दुर्गमता और सरकारी उपेक्षा का दर्श झेल रहा है। हैरानी की बात यह है कि गांव से नेशनल हाईवे-130डी की दूरी करीब चार किलोमीटर है, लेकिन सड़क के अभाव में यह दूरी ग्रामीणों के लिए आज भी कई गुना लंबी हो जाती है।

गुमियाबेड़ा के ग्रामीण पिछले करीब तीन दशकों से पहाड़ों को काटकर अपने आने-जाने के लिए खुद रास्ता तैयार करते आ रहे हैं। कभी नक्सलवाद के आतंक के चलते इस इलाके में सड़क, पुल-पुलिया और अन्य विकास कार्यों का विरोध किया जाता था। ऐसे हालात में ग्रामीणों ने जोखिम उठाकर अपने लिए



रास्ते बनाए, लेकिन हर बारिश के साथ पहाड़ों से बहता पानी इन कच्चे रास्तों को बहा ले जाता है और ग्रामीणों को फिर से पहाड़ खोदकर रास्ता बनाने की जहोजहद करनी पड़ती है। विडंबना यह है कि समय बदला, इलाके में नक्सल गतिविधियां लगभग खत्म हुईं, लेकिन गुमियाबेड़ा की तस्वीर नहीं बदली। नक्सलवाद के दौर में विकास नहीं होने का हवाला दिया जाता था, मगर अब जब क्षेत्र में नक्सल मुक्त होने की ओर बढ़ चुका है, तब भी ग्रामीण मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। गांव तक पक्की सड़क नहीं होने का सबसे बड़ा

खामियाजा ग्रामीणों को रोजमर्रा की जरूरतों में उठाना पड़ रहा है। ग्रामीणों के मुताबिक राशन लेने के लिए उन्हें करीब सात किलोमीटर तक पैदल चलना पड़ता है। राशन मिलने के बाद उसे कंधे पर लादकर वापस गांव तक लाना पड़ता है। बारिश के दिनों में यह सफर और भी खतरनाक हो जाता है, जब नदी-नाले उफान पर होते हैं और ग्रामीणों को जान जोखिम में डालकर उन्हें पार करना पड़ता है। गांव में सबसे गंभीर स्थिति तब बनती है, जब कोई ग्रामीण बीमार पड़ता है या किसी महिला को प्रसव पीड़ा शुरू होती है। सड़क और वाहन की सुविधा नहीं

शराबी प्रधानपाठक व शिक्षक निर्लंबित

जांजगीर चांपा। जिले के पामगढ़ ब्लॉक और बलौदा ब्लॉक में स्थित प्राथमिक स्कूल के टीचर और प्रधानपाठक ने शिक्षा के मंदिर को मदिरालय बना दिया है। बच्चों को पढ़ाने वाले टीचर शराब के नशे में स्कूल पहुंच रहे हैं। जांजगीर-चांपा जिला के पामगढ़ ब्लॉक के शासकीय प्राथमिक शाला भाटपारा भुईगांव के प्रधानपाठक योगेश्वर सिंह कंवर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। इस वीडियो में प्रधानपाठक शराब के नशे में स्कूल पहुंचे और छात्रा छात्राओं को पढ़ाने की बजाय शिक्षिकाओं को परेशान करते नजर आए। इस बात की सूचना मिलने पर जनप्रतिनिधि स्कूल पहुंचे।

पंचायत प्रतिनिधि ने उन्हें इस हालत में स्कूल आने से मना किया तो प्रधान पाठक

पंचायत प्रतिनिधि से विवाद करने लगे और दुर्व्यवहार किया। दूसरा मामला 19 सितंबर का है। बलौदा ब्लॉक के नवीन शासकीय प्राथमिक शाला परसदा का है। यहां पदस्थ शिक्षक ललित राम भारद्वाज नशे की हालत में स्कूल पहुंचे। टीचर को नशे की हालत में देख छात्रों ने इसकी सूचना परिजनों को दी। परिजन स्कूल पहुंचे और शिक्षक को घर जाने की सलाह दी लेकिन शिक्षक ललित राम भारद्वाज नशे की हालत में जमीन पर बैठकर बिना होश हवाश के बड़बड़ाते नजर आए।

दोनों ही घटना का वीडियो सोशल मीडिया में काफी वायरल हुआ। जिसके बाद कलेक्टर ने इसे घोर लापरवाही मानते हुए जिला शिक्षा अधिकारी को कार्रवाई के निर्देश दिए।

बिलासपुर केंद्रीय जेल की सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

बिलासपुर। बिलासपुर केंद्रीय जेल की सुरक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। केंद्रीय जेल के अंदर बंदी से बातचीत का मोबाइल से बनाया गया वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। प्रकरण की जांच के बाद ही वायरल वीडियो की वास्तविकता और मोबाइल अंदर पहुंचने का पूरा मामला स्पष्ट होगा। जानकारी के अनुसार, वीडियो मोहम्मद आमिर नाम की आईडी से वायरल हुआ है, जिसमें बंदी रिशेरा निखारे उर्फ मैडी मुलाकाती समय के दौरान अपने परिजनों और दोस्तों से फोन पर बातचीत करता नजर आ रहा है। जेल परिसर में मोबाइल ले जाने पर प्रतिबंध, सुरक्षा जांच के बावजूद बंदी तक मोबाइल पहुंचने पर सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, वायरल वीडियो कब का है, इसकी फिलहाल पुष्टि नहीं हो सकी है। वीडियो की सत्यता और मोबाइल जेल के अंदर पहुंचने के तरीके की जांच जरूरी है। जेल प्रशासन की निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था पर उठ रहे गंभीर सवालों पर जेल अधीक्षक खोमेश मंडावी से जब बात की गई।

शी कट्टा लहराकर राहगीरों को धमका रहा था युवक

जगदलपुर। जगदलपुर के कोतवाली थाना क्षेत्र के लालबाग मैदान के पास बीती रात देशी कट्टा लेकर लोगों को डराने-धमकाने का मामला सामने आया। सूचना मिलते ही पुलिस ने घेराबंदी कर एक युवक को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार, गौदम रोड निवासी अजय राजपूत (29 वर्ष) लालबाग मैदान के पास देशी कट्टा लेकर खड़ा था और वहां से गुजरने वाले वाहन चालकों को कथित तौर पर डरा-धमका रहा था। युवक के हाथ में हथियार देखकर आसपास के लोगों में डर का माहौल बन गया और कुछ लोग वहां से हटने लगे। घटना की जानकारी एक युवक ने कोतवाली पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस ने मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर लालबाग मैदान के आसपास घेराबंदी की और अजय राजपूत को पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपी की तलाशी ली, जिसमें उसके पास से एक देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस मिला। इसके बाद उसे हिरासत में लेकर कोतवाली थाने लाया गया।

मानव तस्करी सिडिकेट छापेमारी में 1.48 करोड़ रुपये नगद जब्त, 5 आरोपी गिरफ्तार

महासमुंद। छत्तीसगढ़ की महासमुंद पुलिस ने मानव तस्करी के एक बड़े और संगठित नेटवर्क का खुलासा किया है। यह सिंडिकेट छत्तीसगढ़ और पड़ोसी ओडिशा समेत अन्य राज्यों में सक्रिय था। पुलिस टीम ने नेटवर्क से जुड़े 10 ठिकानों पर एक साथ दबिश देकर करीब 1 करोड़ 48 लाख 54 हजार 750 रुपये नगद बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, मामले की शुरुआत एक नाबालिग से जुड़े प्रकरण की जांच से हुई। 21 सितंबर को अस्पताल से मिले मेमो के आधार पर जांच शुरू की गई, जिसमें नाबालिग के शारीरिक शोषण और गर्भवती होने की जानकारी सामने आई। प्रारंभिक जांच में पुलिस को मानव तस्करी और बंधुआ मजदूरी से जुड़े संगठित नेटवर्क के सुराग मिले। पुलिस के मुताबिक, गिरोह के सदस्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों और मजदूरों को एडवांस रकम देकर अपने जाल में फंसाते थे। इसके बाद उन्हें दूसरे राज्यों में ईंट भट्ठों और अन्य स्थानों पर मजदूरी के लिए भेजा जाता था। पुलिस ने दावा किया है कि कुछ मामलों में डर, दबाव और धमकी का इस्तेमाल भी किया गया। जांच में मिले दस्तावेजों के आधार पर पुलिस ने दावा किया है कि गिरोह से जुड़े लोगों के माध्यम से बड़ी संख्या में मजदूरों को



अलग-अलग राज्यों में भेजा जाता था। पुलिस के मुताबिक प्रत्येक आरोपी के नेटवर्क में हजारों मजदूरों के रिकॉर्ड मिले हैं और इनमें बंधुआ मजदूरी के भी दस्तावेजों साक्ष्य मिले हैं। छापेमारी के दौरान पुलिस ने मजदूर पलायन से संबंधित रजिस्टर और डायरी, मोबाइल फोन, बैंक पासबुक, चेकबुक, एटीएम कार्ड, मॉर्गेंज से जुड़े दस्तावेज और नोट गिनने की मशीन समेत कई महत्वपूर्ण सामग्री जब्त की है। पुलिस इन दस्तावेजों और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की जांच कर रही है। पुलिस ने इस मामले में मुकेश चंद्राकर, लता सवर, नंदु मोहंती, पीयूष अग्रवाल और मनीष गुप्ता को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक मुकेश चंद्राकर को इस पूरे नेटवर्क का मुख्य आरोपी और मास्टरमाईंड बताया जा रहा

है। जांच में यह भी सामने आया कि मजदूरों को एडवांस रकम देकर दूसरे राज्यों में भेजा जाता था। पुलिस ने आरोप लगाया है कि मजदूरों से कठिन परिस्थितियों में काम कराया जाता था और उनकी आवाजाही पर भी नियंत्रण रखा जाता था। पुलिस का कहना है कि गिरोह पर मानव तस्करी, नाबालिगों की तस्करी, बाल मजदूरी और महिलाओं एवं नाबालिग बालिकाओं के शोषण से जुड़े आरोपों की जांच की जा रही है। बरामद मोबाइल और बैंक खातों की जांच के बाद नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका सामने आने की संभावना है। इस मामले में थाना खल्लारी में अपराध क्रमांक 104/2026 दर्ज किया गया है। पुलिस ने ब्रह्म की धारा 143(2), 143(3), 143(4), 3(5) तथा संगठित अपराध से संबंधित धारा 111 के तहत कार्रवाई की है। पुलिस के मुताबिक मामले में आगे और गिरफ्तारियां हो सकती हैं। 1,48,54,750 नकद मजदूर पलायन से संबंधित रजिस्टर और डायरी कई मोबाइल फोन बैंक पासबुक और चेकबुक एटीएम कार्ड मॉर्गेंज संबंधी दस्तावेज पुलिस की जांच अब इस बात पर केंद्रित है कि इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग जुड़े हैं और अलग-अलग राज्यों में कितने मजदूरों को इसके जरिए भेजा गया।

कांकेर। सेवा संकल्प अभियान के तहत कांकेर में जिला स्तरीय नारी शक्ति वंदन-अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ स्टेट बोर्ड भारतीय आदिम जाति सेवक संघ की प्रदेश उपाध्यक्ष कौशल्या विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। उन्होंने महिला हितग्राहियों, मितानिनों, महिला जनप्रतिनिधियों और स्व-सहायता समूह की महिलाओं से संवाद किया। कौशल्या साय ने कहा कि महिलाओं को अपनी कला और प्रतिभा को सामने लाने के लिए बिना संकोच आगे आना चाहिए।महिलाएं एक-दूसरे से संवाद करें, अपने अनुभव साझा करें और उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाकर आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ें। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष ममता साहू ने कहा कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। बस्तर क्षेत्र में शांति और भयमुक्त वातावरण के साथ महिलाओं के लिए विकास और आत्मनिर्भरता के अवसर भी बढ़े हैं। वहीं बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष वर्णिका शर्मा ने महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता के लिए



संचालित योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। महिलाओं ने प्रतियोगिताओं में लिया हिस्साकार्यक्रम के दौरान महिलाओं के उत्साह और सहभागिता को बढ़ाने के लिए कई मनोरंजक एवं रचनात्मक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।इनमें कुर्सी दौड़, बिंदी लगाओ, मोमबत्ती जलाओ, मटका फोड़ और मेहंदी प्रतियोगिता शामिल रही। इस दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ता भगवती जगताप, मिथलेश्वरी मंडावी, मितानिन अनिता कुमेठी, सरिता यादव सहित महतारी वंदन योजना की हितग्राही अंजली सिंह और प्रतिभा लाटिया को सम्मानित किया गया। महिला जनप्रतिनिधियों को भी उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया।

8 साल से रह रहे सदिग्ध

बांग्लादेशी को पुलिस ने पकड़ा

बिलासपुर। सदिग्ध बांग्लादेशी के खिलाफ बिलासपुर में एसटीएफ ने बड़ी कार्रवाई की है। स्क्वअर और जिला विशेष शाखा की संयुक्त टीम ने सरकंडा क्षेत्र की सूर्या विहार कॉलोनी में दबिश देकर अतीक हुसैन को हिरासत में लिया है। दरअसल 20 दिन पहले सिरिगिट्टी थाना क्षेत्र में पूछताछ के बाद कुछ सदिग्ध व्यक्तियों को रायपुर के होलिडिंग सेंटर भेजा गया। उसी दौरान सदिग्ध बांग्लादेशी वहां से फरार हो गया। इसके बाद एसटीएफ और जिला पुलिस की स्पेशल टीम उसकी तलाश में जुटी। लगातार निगरानी और रेकी के बाद 24 सितंबर को टीम ने सरकंडा स्थित उसके किराए के मकान में दबिश देकर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में अतीक ने अपना मूल पता बांग्लादेश के नारायणगंज जिले का बताया।

मानसिक प्रताड़ना का आरोप, महिला गिरफ्तार

कवर्धा। लिव इन पार्टनर को शादी के लिए दबाव बनाने और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के आरोप में सिटी कोतवाली पुलिस ने 36 वर्षीय महिला अमीना ताज को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, महिला के खिलाफ आत्महत्या के लिए दूषे्रित करने के आरोप में धारा 108 बीएएस के तहत मामला दर्ज किया गया है। सिटी कोतवाली थाना प्रभारी लालजी सिन्हा ने बताया कि घटना 29 जुलाई 2026 की है। मृतक के भाई सुमुख दुबे ने थाना में सूचना दी कि उसके भाई आलोक दुबे ने अमीना ताज नाम की महिला के घर पर आत्महत्या कर लिया है। सूचना पर पुलिस घटना स्थल पहुंची और शव का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा।मामले में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है। थाना

प्रभारी ने आगे बताया कि रिपोर्ट में दम घुटने से मौत होने का खुलासा हुआ है। मृतक के मोबाइल, लेपटॉप, परिजनों के बयान और अमीना ताज के मोबाइल फोन से पता चला कि आलोक दुबे पिछले चार साल से अमीना के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहा था। इस दौरान महिला ने आलोक पर मुस्लिम धर्म स्वीकार कर मुस्लिम रीति-रिवाज से निकाह करने के लिए दबाव बनाया। आरोप है कि विवाह से इनकार करने पर उसे रेप केस में फंसाने की धमकी देकर मानसिक रूप से प्रताड़ित भी करती थी।

पुलिस के अनुसार इस दबाव और प्रताड़ना से परेशान होकर आलोक ने 29 जुलाई को महिला के किराए के घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

कोरिया में अवेध शराब के विरुद्ध आबकारी विभाग की कार्रवाई

कोरिया। जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, विक्रय एवं परिवहन के विरुद्ध आबकारी विभाग द्वारा लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आबकारी विभाग की टीम ने दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए महुआ शराब एवं मध्यप्रदेश निर्मित अंग्रेजी शराब जन्त की है। आबकारी कंट्रोल रूम को ग्राम कोदवारी डांड भाड़ी, बैकुण्ठपुर में भारी मात्रा में महुआ शराब तैयार कर विक्रय किए जाने की सूचना प्राप्त हुई। कार्रवाई के दौरान आरोपी रफिया, पति इंद्रपाल, उम्र 43 वर्ष, निवासी ग्राम कोदवारी डांड भाड़ी, बैकुण्ठपुर के कब्जे से 14 लीटर महुआ शराब बरामद की गई।आरोपी के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)(क), 34(2) एवं 59(क) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। प्रकरण की विवेचना सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्रीमती सपना सिन्हा द्वारा की गई। आरोपी को माननीय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे 14 दिवस की न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उन्हें किया नमन



शुक्रवार को राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में एकात्म मानववाद के प्रणेता और प्रखर राष्ट्रचिंतक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उनके छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने अपने विचारों और सिद्धांतों के माध्यम से राष्ट्र के समग्र विकास की ऐसी दृष्टि प्रस्तुत की, जिसके केंद्र में समाज का अंतिम व्यक्ति है। उनका संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, जनकल्याण और समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित रहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का मानना था कि विकास की सार्थकता तभी है, जब उसका लाभ समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचे। उनका ‘अंत्योदय’ का सिद्धांत गरीबों, वंचितों और जरूरतमंदों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ते हुए उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती को ‘अंत्योदय दिवस’ के रूप में मनाना उनके विचारों के अनुरूप समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण और उसके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के संकल्प को अभिव्यक्त करता है। एकात्म मानववाद और अंत्योदय का उनका दर्शन आज भी राष्ट्र निर्माण और जनकल्याण की दिशा में प्रेरणास्रोत है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के सिद्धांतों को आत्मसात करते हुए राज्य सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण और विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचार, आदर्श और राष्ट्रसेवा का भाव सदैव देश और समाज को प्रेरित करता रहेगा।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर वित्त मंत्री चौधरी ने किया श्रद्धापूर्वक नमन



साहेब सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के राष्ट्र निर्माण में योगदान और उनके विचारों का स्मरण करते हुए कहा कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के उत्थान को केंद्र में रखने वाला ‘अंत्योदय’ का उनका विचार आज भी प्रासंगिक और प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने एकात्म मानव दर्शन के माध्यम से समाज और राष्ट्र के समग्र विकास की अवधारणा प्रस्तुत की। उनका चिंतन समाज के प्रत्येक वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने और अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने की प्रेरणा देता है। चौधरी ने कहा कि ‘अंत्योदय’ जैसे कालजयी विचार के सूत्रधार पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचार और आदर्श राष्ट्र के लिए सतत प्रेरणा बने रहेंगे।

13 सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति निरस्त कार्यभार नहीं संभालने पर हुई कार्रवाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लोक सेवा आयोग के माध्यम से चयनित 13 सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति एवं पदस्थापना निरस्त कर दी गई है। इन अभ्यर्थियों को प्रदेश के शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में पदस्थापना दी गई थी, लेकिन निर्धारित समयावधि में कार्यभार ग्रहण नहीं करने के चलते यह कार्रवाई की गई है। चिकित्सा शिक्षा विभाग, मंत्रालय की ओर से इस संबंध में आदेश जारी किया गया है। आदेश के मुताबिक लोक सेवा आयोग से चयनित अभ्यर्थियों को शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में सहायक प्राध्यापक के पद पर नियुक्ति दी गई थी। निर्धारित समय सीमा के भीतर संबंधित पदों पर कार्यभार ग्रहण नहीं करने के कारण उनकी नियुक्ति एवं पदस्थापना निरस्त करने की निर्णय लिया गया। विभागीय आदेश के अनुसार संबंधित अभ्यर्थियों को नियुक्ति के बाद तय समयावधि में अपने पद पर कार्यभार ग्रहण करना था। समय सीमा समाप्त होने के बावजूद कार्यभार ग्रहण नहीं करने पर चिकित्सा शिक्षा विभाग ने नियुक्ति निरस्त करने की कार्रवाई की है।

रविवार से शुरु होगा पितृ पक्ष, चतुर्थी और पंचमी एक ही दिन

रायपुर। हिंदू धर्म में पितृ पक्ष का विशेष धार्मिक महत्व माना गया है। इस दौरान लोग दिवंगत पूर्वजों का श्रद्धापूर्वक स्मरण कर उनकी आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध, तर्पण, पिंडदान और दान-पुण्य करते हैं। मान्यता है कि विधि-विधान से पितरों का तर्पण करने से परिवार पर उनका आशीर्वाद बना रहता है। इस वर्ष पितृ पक्ष की शुरुआत 27 सितंबर रविवार से होगी, चतुर्थी और पंचमी एक ही दिन 30 सितंबर को और 10 अक्टूबर शनिवार को सर्वपितृ अमावस्या रहेगी। पितृ पक्ष में श्रद्धालु सुबह स्नान कर तिल और जल से पितरों का तर्पण करते हैं।

राजधानी/छत्तीसगढ़

भारी बारिश को लेकर पूरा प्रशासन अलर्ट, आमजन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता : साय

मुख्यमंत्री ने सभी कलेक्टरों को सतर्क रहने और आवश्यकता पड़ने पर तत्काल राहत एवं सहायता सुनिश्चित करने के लिए निर्देश

रायपुर। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में हो रही भारी बारिश को देखते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रशासन को पूरी तरह सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने सभी जिला कलेक्टरों को बारिश और संभावित बाढ़ की स्थिति पर लगातार नजर रखने तथा आवश्यकता पड़ने पर तत्काल राहत एवं सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा, हमने प्रशासन को पूरी तरह अलर्ट रखा है। सभी कलेक्टरों को निर्देश दिए गए हैं कि भारी बारिश के कारण कहीं भी किसी प्रकार की आवश्यकता उत्पन्न होती है तो तत्काल आवश्यक कदम उठाए जाएं। आम जनता को किसी तरह की परेशानी न हो, यह सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेशवासियों से भी भारी बारिश के दौरान विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि नागरिक अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा को प्राथमिकता दें तथा प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। मुख्यमंत्री ने लोगों से नदी-नालों, जलप्रपातों और उपनक्ते जलस्रोतों के पास नहीं जाने की अपील की है, क्योंकि पानी का बहाव अचानक बढ़

सकता है। उन्होंने कहा कि जलमग्न पुल-पुलियां एवं सड़कों को किसी भी स्थिति में पार करने का प्रयास न करें और निम्न स्थानों पर सुरक्षा की दृष्टि से बैरियर लगाए गए हैं, वहां प्रशासन के निर्देशों का अनिवार्य रूप से पालन करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारी बारिश के दौरान बिना आवश्यकता यात्रा करने से बचें, विशेषकर रात के समय अतिरिक्त सावधानी रखें। गिरे हुए बिजली के तारों अथवा विद्युत संबंधी किसी खतरे से दूर रहें और इसकी सूचना तत्काल संबंधित विभाग, स्थानीय प्रशासन अथवा पुलिस को दें। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखने तथा उन्हें अकेले बाहर नहीं जाने देने की अपील की। पहाड़ी क्षेत्रों एवं भूस्खलन की आशंका वाले स्थानों पर भी विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि किसी भी आपात स्थिति में नागरिक डायल 112 अथवा स्थानीय प्रशासन से तत्काल संपर्क करें। मौसम और राहत संबंधी जानकारी के लिए केवल शासन-प्रशासन एवं अन्य अधिकृत स्रोतों से जारी सूचनाओं पर ही विश्वास करें और अफवाहों अथवा भ्रामक संदेशों को

वंदे मातरम्, सामूहिक गायन कार्यक्रम, बच्चों के कंधों पर टिका है देश का भविष्य : साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शुक्रवार को रायपुर के रोहिणीपुरम स्थित सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय में आयोजित वंदे मातरम् सामूहिक गायन कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि देशभर में 25 हजार से अधिक स्थानों पर विद्या भारती के विद्यार्थियों ने एक साथ वंदे मातरम् का गायन किया है और इस आयोजन ने विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे हो रहे हैं। विद्या भारती



ऐसी संस्था है, जो शिक्षा के साथ बच्चों के सर्वांगीण विकास पर भी ध्यान देती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा विकास का मूल मंत्र है और भारत प्राचीन काल से ही विद्या एवं शिक्षा के क्षेत्र में आगे रहा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बस्तर लंबे समय तक नक्सलवाद से प्रभावित रहा, लेकिन डबल इंजन की सरकार और केंद्रीय गृहमंत्री की दृढ़ इच्छाशक्ति से नक्सलवाद को समाप्त करने में सफलता मिल रही है। उन्होंने बताया कि ओरछा और जगरगुंडा में एजुकेशन सिटी बनाई जा रही है। इसके साथ ही राष्ट्रीय स्तर के शिक्षण संस्थान स्थापित किए जा रहे हैं और शिक्षा के क्षेत्र में

सेवा संकल्प अभियान में गुंजा स्वच्छता का संकल्प, महाराजबंध तालाब में हुआ श्रमदान

■ उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने दिलाई स्वच्छता की शपथ

रायपुर। स्वच्छता ही सेवा 2026 एवं सेवा संकल्प अभियान के तहत आज रायपुर के मठपारा स्थित महाराजबंध तालाब में श्रमदान करते हुए कचरे एवं गंदगी को सफाई की। इस अवसर पर नागरिकों को तालाब एवं जलस्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से तालाब में कचरा नहीं डालने तथा सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने का संदेश दिया गया।उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने उपस्थित जनसमुदाय को स्वच्छता की शपथ दिलाई। उन्होंने स्वच्छता को केवल अभियान तक सीमित न रखते हुए इसे दैनिक जीवन की आदत बनाने का आह्वाण किया। कार्यक्रम में स्वच्छता के क्षेत्र में योगदान देने वाले पांच सफाई मित्रों को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में रमेश सोना, अवधेश सोनी, घना कुर्ते, अमित



जलस्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से तालाब में कचरा नहीं डालने तथा सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने का संदेश दिया गया।उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने उपस्थित जनसमुदाय को स्वच्छता की शपथ दिलाई। उन्होंने स्वच्छता को केवल अभियान तक सीमित न रखते हुए इसे दैनिक जीवन की आदत बनाने का आह्वाण किया। कार्यक्रम में स्वच्छता के क्षेत्र में योगदान देने वाले पांच सफाई मित्रों को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में रमेश सोना, अवधेश सोनी, घना कुर्ते, अमित

राजनांदगांव में गणेश झांकी निकलने की तारीख बदली

रायपुर। अनंत चतुर्दशी के साथ शुक्रवार को गणेश उत्सव का समापन हो जाएगा। राजधानी रायपुर में गणेश प्रतिमाओं की विदाई को लेकर भव्य तैयारियां की गई हैं। प्रतिवर्ष की इस बार भी बड़ी संख्या में प्रदेश के कोने-कोने से लोगों के रायपुर आने की उम्मीद है। इस बीच गणेश विसर्जन झांकी निकलने की तारीख में बदलाव कर दिया गया है। यानी अब रायपुर में रविवार (27 सितंबर) को निकलने वाली झांकी सोमवार को निकल सकती है।

दरअसल, प्रदेश में लगातार मौसम का मिजाज बदलने से बारिश का दौर जारी है, जिसने गणेश समितियों की चिंता बढ़ा दी है। अब तक प्रशासन ने रविवार यानी 27 सितंबर की तारीख को गणेश विसर्जन झांकियों के लिए तय किया था। वहीं राजनांदगांव में 25 सितंबर को झांकियां निकलनी थी।



हालांकि बारिश को देखते हुए राजनांदगांव के 35 झांकियां समिति ने सर्वसम्मति से बारिश के कारण 26 सितंबर को झांकी निकलाने का फैसला किया। इस दौरान झांकी समिति अध्यक्ष और एएसपी समेत अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। राजधानी रायपुर में झांकी निकलने की तारीख में बदलाव हो सकता है। रविवार की जगह अब सोमवार को गणेश प्रतिमाएं जुलूस के रूप में विसर्जन घाटों तक पहुंच सकती है। इसके लिए प्रशासन को गणेश समिति के बीच बैठक जल्द



आगे न बढ़ाएं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कठिन परिस्थितियों में सतर्कता, संयम और परस्पर सहयोग सबसे महत्वपूर्ण है। अपने आसपास किसी व्यक्ति को सहायता की आवश्यकता हो तो उसकी यथासंभव मदद करें और जरूरत पड़ने पर तत्काल प्रशासन को सूचित करें।

जगदलपुर में बाढ़ जैसे हालात

लगातार हो रही बारिश के चलते इंद्रावती नदी के सभी सहायक नाले उफान पर हैं। गोरियाबहार नाला भरने से दर्जनों गांवों का संपर्क टूट गया है। तिरिया, पोटनार, जगदलपुर समेत कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है। बारिश का असर वन विभाग के कार्यालय पर भी पड़ा है।

कार्यालय की सभी शाखाओं में पानी भर गया है, जिससे कई रिकॉर्ड पूरी तरह भोग गए हैं। अमागुड़ा इलाके में हाईवे से लगी निचली बस्ती पूरी तरह जलमग्न हो गई है। लोग घरों से सामान निकालकर सुरक्षित स्थानों पर ले जाया जा रहा है। इंद्रावती नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से नदी किनारे स्थित तोमर फार्म हाउस पूरी तरह जलमग्न हो गया है। फार्म हाउस में 5 लोगों के फंसे होने की जानकारी मिलते ही स्खन्नक की टीम उन्हें रेस्क्यू करने के लिए मौके पर पहुंची। बताया जा रहा है कि यह फार्म हाउस इंद्रावती नदी के नए पुल के किनारे स्थित है। बढ़ते जलस्तर के चलते फार्म हाउस परिसर में पानी भर गया है, वहीं वहां खड़ा एक ट्रक भी पूरी तरह पानी में डूबा हुआ नजर आ रहा है।

कोंडागांव में पुल-पुलियों के ऊपर से बह रहा पानी, कई गांवों का टूटा संपर्क

कोंडागांव जिले में पिछले तीन दिनों से लगातार बारिश हो रही है। इसके चलते नदी-नाले उफान पर हैं। कई ग्रामीण इलाकों में सड़कें जलमग्न हो गई हैं और पुल-पुलियों के ऊपर पानी आने से कई गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क कट गया है। सुरक्षा को

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के लिए 28-29 सितम्बर को टीम सलेक्शन ट्रायल

रायपुर। रायपुर में होने वाले

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के पहले सीजन के टीमों के चयन के लिए खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने प्रक्रिया शुरू कर दी है। टीमों के चयन के लिए रायपुर के सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम के पिच-1 में 28 सितम्बर और 29 सितम्बर को दो दिवसीय चयन ट्रायल का आयोजन किया जा रहा है। चयन ट्रायल के सुचारु आयोजन, आवश्यक समन्वय एवं तकनीकी सहायता के लिए विभाग ने तीन अधिकारियों की टीम बनाई है। चयन ट्रायल के लिए आवश्यक तकनीकी एवं आयोजन संबंधी कार्यवाही छत्तीसगढ़ हॉकी संघ द्वारा निर्धारित नियमों एवं मापदंडों के अनुसार की जाएगी।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग की संचालक श्रीमती आकांक्षा शिक्षा खलखो ने



छत्तीसगढ़ हॉकी संघ को परिपत्र जारी कर खिलाड़ियों के चयन ट्रायल के लिए आवश्यक कार्यवाही करने को कहा है। विभाग ने निर्धारित तिथियों एवं समय पर चयन ट्रायल के आयोजन के साथ ही ट्रायल प्रारंभ होने के पहले चयन पूर्व मानदंडों और चयन प्रक्रिया का लिखित विवरण उपलब्ध कराने को कहा है। विभाग ने चयन प्रक्रिया पारदर्शी और निर्धारित मानदंडों के अनुरूप संपादित कर चयनित 6 टीमों की सूची एवं चयन प्रक्रिया से संबंधित प्रतिवेदन खेल संचालनालय को उपलब्ध कराने को कहा है।

खिलाडियों के चयन के लिए होने वाले ट्रायल को सुव्यवस्थित तरीके से संचालित करने के लिए खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने आवश्यक तकनीकी और आयोजन संबंधी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी तीन अधिकारियों को सौंपी है। इनमें खेल अधिकारी श्री दीनू प्रसाद पटेल, रायपुर में हॉकी की वरिष्ठ प्रशिक्षक श्रीमती रश्मि संस्था एक्का और बिलासपुर में वरिष्ठ हॉकी प्रशिक्षक श्री राकेश टोपो शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के पहले सीजन में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाली छह टीमें मैदान में उतरेंगी। इनमें राजधानी रॉयल्स, चित्रकूट चैलेंजर्स, संस्कारधानी स्टार्डकर्स, चक्रधर चैंपियंस, न्यायधानी नाइट्स और मैनपाट टाइटन्स शामिल हैं।

पेंशन प्रकरण में लापरवाही पर मुंगेली के शिक्षा विभाग के छह अधिकारी-कर्मचारी निलंबित

■ दिवंगत शिक्षक के वेतन निर्धारण का समय पर अनुमोदन नहीं कराने और लंबित पेंशन के संबंध में गलत जानकारी भेजने का मामला

रायपुर। लोक शिक्षण संचालनालय ने मुंगेली जिले में दिवंगत शिक्षक के पेंशन प्रकरण से जुड़े कार्यों में गंभीर लापरवाही पाए जाने पर छह अधिकारी-कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालक श्री ऋतुराज रघुवंशी ने आदेश जारी किया है।

आदेशानुसार, शासकीय हाईस्कूल लाखासार में पदस्थ सहायक शिक्षक विज्ञान अंजनी त्रिपाठी का 25 सितंबर 2022 को सेवाकाल के दौरान निधन हो गया था। उनकी मृत्यु के बाद परिवार पेंशन और मृत्यु-सह-सेवानिवृत्ति उपदान के प्रकरण को प्रक्रिया में यह पाया गया कि वर्ष 2018 में सहायक शिक्षक एल बी स्वर्ग संविलियन के बाद किए गए वेतन निर्धारण की सक्षम

प्राधिकारी से समय पर जांच और अनुमोदन नहीं कराया गया। विलंब से अनुमोदन के कारण अधिक भुगतान की वसूली की स्थिति बनी।साथ ही लंबित पेंशन के संबंध में संचालनालय लोक शिक्षण को गलत जानकारी भेजे जाने का भी उल्लेख है। इस मामले में तत्कालीन प्रभारी प्राचार्य राघवेन्द्र कुमार सोनी, प्रभारी प्राचार्य रघुनंदन सिंह राजपूत, सहायक ग्रेड-3 मोतीराम यादव, सहायक ग्रेड-2 त्रिवेणी ध्रुव, सहायक ग्रेड-3 अशोक ध्रुव तथा जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के पेंशन कक्ष प्रभारी एवं कनिष्ठ लेखा परीक्षक शत्रुघ्न कुलमित्र को निलंबित किया गया है। आदेश में कहा गया है कि संबंधित कर्मचारियों द्वारा सौंपे गए दायित्वों के निर्वहन में नियम विरुद्ध कार्य, गंभीर लापरवाही और शासकीय कार्य में विलंब पाया गया। निलंबन अवधि में सभी का मुख्यालय संभागीय संयुक्त संचालक, शिक्षा संभाग बिलासपुर का कार्यालय निर्धारित किया गया है। उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा।

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER PUBLIC WORKS DEPARTMENT, E/M CIRCLE, RAIPUR (C.G.) e-Procurement Tender Notice		
Online tenders are invited on behalf of Governor of Chhattisgarh from contractors, C.G. P.W in new Registration system (unified Registration system) for the following work :-		
NIT No.	Name of work	Probable amount of contract
88/SE E/M/2026-27 (1st Call) System Tender No. 2७००1३ Registered contractor class in "D" & above For Form A (Percentage Rate)	83 KV DP/33KV LINE/11KV LINE/LT LINE AND TRANSFORMER DP SHIFTING WORK AT VARIOUS LOCATION FOR PARIKRAMA PATH AT DONGARGARH, DISTRICT RAJNANDGAON (C.G.)	Rs 19.69 Laacs
89/SE E/M/2026-27 (1st Call) System Tender No. 2७००33 Registered contractor class in "D" & above For Form A (Percentage Rate)	SHIFTING OF LT LINE, 11 KV LINE, 11 KV XMER DP FOR ROAD WIDENING FROM CHANDI MANDIR CHOWK TO NAYAPARA CHOWK (ROAD LENGTH 0.9 KM),DURG ,DISTT-DURG (C.G.)	Rs 48.51 Laacs
90/SE E/M/2026-27 (1st Call) System Tender No. 2७००34 Registered contractor class in "D" & above For Form A (Percentage Rate)	PROVIDING ELECTRIFICATION WORKS TO JILA ABKARI DEPARTMENT BUILDING AT DURG, DIST. DURG (C.G.)	Rs 17.25 Laacs
Date of bid submission 13-10-2026 The tender documents can be downloaded from the web-portal http://eproc.cgstate.gov.in. Only those contractors/bidders, interested in bidding shall pay the tender document cost online.		
G-262703508/3		Superintending Emgineer P.W.D. (E. & M.) Raipur (C.G.)

राजनीति में कुसंस्कार को बढ़ावा देती कांग्रेस

मृत्युंजय दीक्षित

कांग्रेस पार्टी चुनावों में लगातार पराजय का सामना कर रही है जिसने पार्टी युवराज राहुल गांधी को हताश कर दिया है। उनको इस हताशा से उबारने के लिए कांग्रेस ने पेपर लीक तथा छात्रों की अन्य समस्याओं को आधार बनाकर छात्रों की गुंज नाम का अभियान अभियान आरंभ किया जिससे कांग्रेस तथा राहुल गाँधी को छात्रों व युवाओं के एकमात्र हितैषी के रूप में स्थापित किया जा सके। जेन जी के जोर शोर और सोशल मीडिया पर तमाम हल्ले गूह्ले के साथ शुरू हुआ राहुल गांधी का छात्रों की गुंज कार्यक्रम पहले झूठे तथा गलत तथ्यों के कारण चर्चा में रहा और फिर अर्मादित, अनुशासनहीन व्यवहार के कारण। पहले चरण में मनुस्मृति के अपमान से आरम्भ हुआ ये कार्यक्रम अगले चरण में राहुल और संदीप दीक्षित ने द्वारा प्रधानमंत्री पर अशालीन कटाक्ष तक पहुंचा जिसमें एक विदेशी महिला राष्ट्राध्यक्ष पर अपमानजनक टिप्पणी की गयी, उसका विवाद अभी शांत भी नहीं हुआ था कि ये लोग इंदौर पहुँच गए। मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में 19 सितंबर 2026 को छात्रों की गुँज का आयोजन किया गया। यहाँ एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मिमिक्री की गई उनकी विदेश नीति का मजाक बनाया गया। सोशल मीडिया इन्फ्लुएन्सर पुलकित मणि ने उनकी मां का भी उपहास उड़ाया और राहुल गांधी ने उनका इस कुकृत्य में साथ दिया। इंदौर में जो कुछ हुआ उसकी निंदा केवल भारतीय जनता पार्टी ही नहीं अपितु कांग्रेस के सहयोगी समाजवादी पार्टी व शिवसेना का उद्धव टुट भी कर रहा है। मुंबई में शिवसेना नेता आनंद दुबे ने कहा कि मंच से किसी के परिवार के बारे में आपत्तिजनक बात करना उचित नहीं है। आने वाले समय में सभी राजनैतिक दलों को इस बात का ध्यान रखना चाहिए। मर्यादा नहीं टूटनी चाहिए। भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस के इस कृत्य को सर्वकंस व राहुल गांधी को असंस्कारी नाराज फूफा करार दिया है। कांग्रेस के मंच पर जिस प्रकार पुलकित मणि से मिमिक्री कराई गयी वह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के निक्छतम उपयोग का उदाहरण है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राहुल गाँधी पर निशाना साधते हुए कहा कि मैं एक वीडियो देख रहा था जिसमें उन्होंने नारी शक्ति का अपमान किया है। लोगों में संस्कार नहीं है। हमारी परंपरा कहती है- पहले आप। रास्ते में बुजुर्ग, महिला, दिव्यांग को पहले जाने देना हमारा संस्कार है लेकिन जो भारत को अपमानित करने का लक्ष्य मान लेते हैं वे कुटुम्बकम भाव को नहीं समझ सकते। सत्य, असत्य और अर्धसत्य होता है और कुछ लोग अर्धसत्य कहकर ही भारत की छवि धूमिल करना चाहते हैं। राहुल के मंच से मोदी जी की मां का उपहास भारत माता का उपहास है, भारत की समस्त मातृशक्ति का उपहास है। मां के उपहास को भारत की मूल आत्मा कतई स्वीकार नहीं करेगी और न ही कभी माफ करने वाली है। यह सत्य है भारत की सनातन आस्था वाली आम जनता इस प्रकार से किए जाने वाले स्त्री अपमान को सहन नहीं करती और समय आने पर उत्तर देती है। बिहार विधान सभा चुनाव में कांग्रेस के मंच से पीएम मोदी की मां को गाली दी गई और बिहार में कांग्रेस का सफाया हो गया। इसी प्रकार राहुल गांधी अपने बयान, लोग मंदिरों में लड़कियां छेड़ने के लिए जाते हैं के बाद हुस अपना हथ्र भी देख सकते हैं। राहुल गांधी पूरी तरह से भ्रम फैलाने की राजनीति कर रहे हैं और विकृत मानसिकता से ग्रस्त हो चुके हैं। उनका एकमात्र लक्ष्य प्रधानमंत्री मोदी की छवि को धूमिल करना, सनातन संस्कृति को बदनाम करना तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर भरत की बदलती हुई तस्वीर को विकृत छवि प्रस्तुत करना है। किंतु हो इसका विपरीत रहा है राहुल गांधी अपने ही बुने जाल में फंसते जा रहे हैं।

भारतीय दार्शनिक समुदाय

8- बौद्ध दर्शन का विस्तार और महत्त्व

गताक्त से आगे...

अनेक पाश्चात्य और भारतीय विद्वानों ने बौद्ध दर्शन के अध्ययन में महान् प्रयत्न किये हैं, जिसके फलस्वरूप बौद्ध दर्शन के विषय में पहले की अपेक्षा इस समय हमारी जानकारी बहुत बढ़ गई है।

इन विद्वानों में से बर्नफ़, रीजडेविड्स, श्रीमती रीजडेविड्स, सिलवेन लेवी, डीला बाली पूसिन्, श्वेरवात्स्की, ट्रुची, विधुशेखर भट्टाचार्य, राहुल सांकृत्यायन आदि के नाम विशेष कर उल्लेखनीय हैं। परन्तु हमें यह न भूलना चाहिये, कि बौद्ध दर्शन शास्त्र के क्षेत्र में इतना कार्य होने पर भी उसके विषय में हमारा ज्ञान कई दृष्टियों से प्रारम्भिक अवस्था में ही है।

उपयुक्त कतिपय मौलिक अनुसन्धान-कर्ताओं के ग्रन्थों को छोड़ कर यूरोपीय भाषाओं, विशेषतः, अंग्रेजी या भारतीय आधुनिक भाषाओं में बौद्ध दर्शन के विषय में जो अनेक ग्रन्थ निकलते रहते हैं, उनमें

से अधिकांश मौलिकता से सर्वथा दूर हैं। वे केवल इधर उधर से कुछ सामग्री लेकर उसको नवीन प्रकार में प्रस्तुत करने की प्रवृत्ति के द्योतक मात्र हैं।

बौद्ध दर्शन सम्बन्धी सिद्धान्तों की मौलिक जानकारी कराने में रूसी विद्वान् श्वेरबात्स्की का स्थान सर्वोपरि है, और उसने बौद्ध दर्शनशास्त्र के प्रत्येक क्षेत्र पर मौलिक प्रकाश डाला है। परन्तु वास्तविक तथ्य यह है कि हीनयान के अन्तर्गत थेरावादियों के दार्शनिक सिद्धान्त, जो पाली भाषा के ग्रन्थों में विद्यमान हैं, उनका अध्ययन बहुत अंश तक सतोत्पेजजनक हुआ है, परन्तु चीनी और निच्वती भाषाओं में विद्यमान बौद्ध दार्शनिक साहित्य और उन भाषाओं के द्वारा पुनरूज्जी-वित किया हुआ संस्कृत में लिखा गया बौद्ध दार्शनिक साहित्य अभी तक पूरी तरह प्रकाश में नहीं आया है, और जो प्रकाश में आया है उसका भी अध्ययन नहीं हो सका है।

क्रमशः...



ज्ञान/मीमांसा

भारत को डराया नहीं जा सकता, यह नया भारत है

प्रह्लाद सबनानी

हाल ही में अमेरिकी संसद द्वारा भारत एवं चीन सहित कुछ अन्य देशों से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर 100 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने सम्बन्धी कानून को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है, क्योंकि, ये देश रूस से कच्चे तेल का भारी मात्रा में आयात कर रहे हैं। अमेरिका के अनुसार, इन देशों द्वारा रूस से कच्चे तेल के आयात के चलते रूस को यूक्रेन के साथ युद्ध करने की आर्थिक शक्ति प्राप्त हो रही है। जबकि, यूरोपीयन देश एवं अमेरिका स्वयं रूस से गैस एवं अन्य उत्पादों का भारी मात्रा में आयात कर रहे हैं। अर्थात, इन देशों द्वारा रूस से अन्य पदार्थों के आयात करने से रूस को कोई आर्थिक ताकत प्राप्त नहीं होती है, केवल भारत एवं चीन सहित कुछ अन्य देशों द्वारा रूस से कच्चे तेल के आयात से रूस को आर्थिक शक्ति प्राप्त होती है। अमेरिका का यह दोहरा चरित्र अब पूरे विश्व के सामने प्रदर्शित हो रहा है। अमेरिका को अब यह समझ लेना चाहिए कि भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर 100 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लगाने का डर दिखा कर एवं भारत को दबाव में लाकर अमेरिका भारत से अपने मनमाफिक निर्णय करवा लेगा, तो आज की बदली हुई परिस्थितियों के बीच यह सम्भव होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। अमेरिका एवं पूरे विश्व के सामने अब एक नया भारत खड़ा है। अमेरिका दरअसल चाहता है कि भारत उसके कृषि उत्पादों के लिए अपने बाजार खोले ताकि वह भारत को अपने कृषि एवं डेयरी उत्पाद निर्यात कर सके। यदि भारत अमेरिका के इस दबाव में आता है तो भारतीय किसानों पर इसका विपरीत प्रभाव पड़ेगा और केंद्र सरकार भारत के किसानों के हितों की बलि किसी भी कीमत पर देने को तैयार नहीं है। आज, संभवतः अमेरिका को भारत की अधिक आवश्यकता है क्योंकि भारत पूरे विश्व में सबसे बड़ी आबादी वाला देश बन गया है, जिसके कारण भारत पूरे विश्व में सबसे युवा देशों की श्रेणी में उच्च स्थान रखता है। साथ ही, भारत आज विश्व में विभिन्न उत्पादों का सबसे बड़ा उपभोक्ता देश बन गया है एवं आगे आने वाले समय में भारत की यही स्थिति लम्बे समय तक बनी रहने वाली है। भारत आज विश्व के अन्य उत्पादक देशों के लिए सबसे बड़ा बाजार है।

भारत का सकल घरेलू उत्पाद आज विश्व में बड़े देशों के बीच सबसे अधिक तेज गति से आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। हाल ही में जापान



ने भारत को सार्वभौमिक क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड किया है। और तो और, अब अमेरिकी क्रेडिट रेटिंग एजेंसियां भी भारत की सार्वभौमिक क्रेडिट रेटिंग में सुधार करने पर विचार करने को मजबूर हो रही हैं। हाल ही में मूडीज ने वर्ष 2026 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में होने वाली वृद्धि दर को 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 7 प्रतिशत कर दिया है। साथ ही, जेफ़ज ने भी अपने पूर्व अनुमान 6.7 प्रतिशत को सुधारकर 7 प्रतिशत कर दिया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने भारत की आर्थिक विकास दर के अनुमान को 6.7 प्रतिशत कर दिया है, जबकि भारत ने वित्तीय वर्ष 2026–27 की प्रथम तिमाही में 7.8 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर हासिल की है।

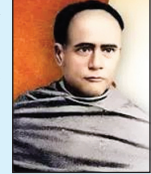
भारत के अपने विदेशी उत्पादों के लिए नए बाजार तलाशने सम्बंधित प्रयास आज सफल होते हुए दिखाई दे रहे हैं। क्योंकि, अगस्त 2026 का माह भारतीय निर्यातकों के लिए बहुत शानदार रहा है। वैश्विक स्तर पर कई प्रकार की चुनौतियों के चलते भी भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात में 26.12 प्रतिशत की आकर्षक वृद्धि दर्ज हुई है। अगस्त 2025 माह में भारत के कुल निर्यात 3,474 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रहे थे जो अगस्त 2026 में बढ़कर 4,381 करोड़ अमेरिकी डॉलर के हो गए हैं। फेडरेशन आफ इंडियन एक्सपोर्ट आरगनाइजेशन के अनुसार, भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात में हो रही आकर्षक वृद्धि दर भारतीय निर्यातकों की ताकत, प्रतिस्पर्धा व बाजार के हिसाब से ढलने की क्षमता को दर्शाती है। चीन, सिंगपुर, जर्मनी, दक्षिण अफ्रीका, मलेशिया, तंज़ानिया, हांगकांग, आस्ट्रेलिया, स्पेन एवं श्रीलंका जैसे बाजारों में भारतीय उत्पादों की बढ़ती पहुंच भारत के निर्यात

बास्केट के विस्तार का संकेत है। आटोमोबाईल निर्यात में 22.2 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज हुई है, इसमें दोपहिया व तिपाहिया वाहनों का दबदबा रहा है। जेम्स एंड ज्वेलरी के निर्यात में भी 3.14 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल हुई है। इलेक्ट्रॉनिक एवं इंजीनीयरिंग उत्पादों के निर्यात में लगातार वृद्धि भारत की मजबूत स्थिति को दर्शा रही है।

विदेशी व्यापार के मामले में भारत विश्व में केवल कुछ देशों (अमेरिका सहित) पर निर्भर रहने के स्थान पर अब अपने विभिन्न उत्पादों के निर्यात के लिए नए बाजार तलाश रहा है। केंद्र सरकार के इन प्रयासों का सुपरिणाम दिखाई भी देने लगा है। वित्तीय वर्ष 2026–27 के प्रथम पांच माह (अप्रैल-अगस्त 2026) के दौरान भारत का ब्रिक्स देशों (चीन, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील एवं रूस) को निर्यात 34 प्रतिशत बढ़कर 1,990 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गया है। इसी अवधि में चीन को भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात में 39 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। ब्रिक्स समूह के समस्त सदस्य देशों के साथ भारत अपने आर्थिक एवं राजनैतिक सम्बंध लगातार मजबूत कर रहा है, जिसका परिणाम अब इन देशों के साथ भारत के लगातार बढ़ रहे विदेशी व्यापार के रूप में दिखाई देने लगा है। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, ब्रिक्स के चार मुख्य देशों (चीन, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील एवं रूस) का भारत के कुल निर्यात में हिस्सा अप्रैल-अगस्त 2025 के दौरान 8.1 प्रतिशत से बढ़कर अप्रैल-अगस्त 2026 के दौरान 9.2 प्रतिशत हो गया है। इस वित्तीय वर्ष के प्रथम पांच माह के दौरान चीन को 960 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निर्यात किया गया है तो वहीं दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील एवं रूस को भारतीय उत्पादों के निर्यात में क्रमशः 58 प्रतिशत, 13 प्रतिशत एवं 11 प्रतिशत की आकर्षक वृद्धि दर्ज की गई है।

आज कई अमेरिकी कम्पनियां भारत में अपने वैश्विक योग्यता केंद्रों की स्थापना कर रही हैं। इनमें प्रमुख रूप से शामिल हैं – एस्ट्रा जेनेका,

ईश्वरचंद्र विद्यासागर



विद्यासागर के समय का सामाजिक ढांचा बहुत संकीर्ण और जातिगत भेदभाव से भरा हुआ था। पढ़ाई-लिखाई जैसी बुनियादी जरूरत पर कुछ गिने-चुने रसूखदार लोगों का कब्जा था, जिससे समाज का एक बहुत बड़ा हिस्सा तरक्की की मुख्यधारा से पूरी तरह कटा हुआ था। संस्कृत कालेज के प्रिंसिपल के रूप में उनके प्रशासनिक और शैक्षणिक फैसले आज के नीति-निर्माताओं के लिए भी एक बड़ी सीख बन सकते हैं। उन्होंने कालेज के बरसों पुराने नियमों को बदलते हुए उसके दरवाजे उन गरीब और वंचित जातियों के लिए भी खोल दिए, जिन्हें उस दौर की व्यवस्था पढ़ने के लायक नहीं मानती थी। उनका यह कदम किसी तात्कालिक भावुकता का नतीजा नहीं था, बल्कि इसके पीछे यह साफ और

व्यावहारिक सोच थी कि समाज की बराबरी और देश का वास्तविक बौद्धिक विकास ज्ञान को हर घर तक पहुंचाए बिना मुमकिन ही नहीं है। इसके साथ ही, उन्होंने रटने वाली पुरानी प्रणाली की जगह तार्किक और आसानी से समझ आने वाली शिक्षा को बात की। बच्चों के लिए लिखी गई उनकी किताब बर्णपरिचय सिर्फ अक्षरों का ज्ञान नहीं थी, बल्कि आम लोगों को बहुत आसानी से साक्षर बनाने का एक ऐतिहासिक प्रयास था।लड़कियों की पढ़ाई और उनके हक को लेकर विद्यासागर की सोच अपने समय से बहुत आगे थी। 19वीं सदी के बीच में जब महिलाओं की शिक्षा को सामाजिक और धार्मिक रूप से गलत मानकर अंधविश्वासों से जोड़ा जाता था, तब उन्होंने रूढ़िवादिता के इस ढर्रे को तार्किक रूप से तोड़ा। उन्होंने न केवल

महिला शिक्षा की अहमियत को समाज के सामने रखा, बल्कि जमीन पर आगे बढ़कर अपने खुद के पैसों और देखरेख में दर्जनों सच स्कूलों की स्थापना की। वे इस कड़वे सच से अच्छी तरह वाकिफ थे कि किसी भी समाज या देश की प्रगति तब तक अधूरी है, जब तक उसकी आधी आबादी को बराबरी के अधिकार और वैचारिक आजादी न मिले।

इसी प्रकार, विधवा विवाह के पक्ष में उनका ऐतिहासिक संघर्ष केवल एक कानून पास करवाने तक सीमित नहीं था। यह उस अमानवीय कुप्रथा पर एक तीखा प्रहार था जो किसी मासूम बच्ची या महिला के पति की मौत के बाद उसकी जिंदगी को जीते जी नरक बना देती थी। जब इस कानून का पूरे समाज ने खुलकर विरोध किया, तब उन्होंने समाज के सामने कथनी और करनी की एकता की एक बड़ी मिसाल पेश की।

आज का इतिहास

1923 बेयन में गुस्ताव रीटर वॉन कारा ने बर्लिन से स्वतंत्रता की घोषणा की थी।

1934 स्ट्रीम शिप आरएमएस क्रोन मैरी को लॉन्च किया गया था।

1941 सैन्य पुलिस कोर संयुक्त राज्य की सेना की स्थायी शाखा के रूप में बनाई गयी थी।

1944 द्वितीय विश्व युद्ध में गोथिक लाइन के केंद्रीय मोर्चे पर ब्राजील के सैनिक 10 दिनों के युद्ध के बाद सर्चियो घाटी क्षेत्र को नियंत्रित कर पाये थे।

1950 संयुक्त राष्ट्र सैनिकों ने उत्तर कोरिया के सैनिकों से सोल को अपने कब्जे में लिया था।

1950 इंडोनेशिया ने संयुक्त राष्ट्र की सदस्यता ग्रहण की थी।

1954 जापानी रेल नौका टोया मासू त्सुगारू स्ट्रेट एक तृफान के दौरान डूब गयी थी। जिसमें 1,172 की मौत हो गई थी।

1959 जापान में तृफान वेरा से 4580 लोगों की मौत और 16 लाख लोग बेघर हुए थे।

1969 द बीटल्स द्वारा आखिरी दर्जे एल्बम एबी रोड को जारी किया गया था।

1973 अटलांटिक की यात्रा को सुपरसोनिक कॉर्कोर्ड यात्री हवाई जहाज ने रिकॉर्ड समय में यानी महज 3 घंटा 32 मिनट में पूरा किया था।

1984 यूनाइटेड किंगडम हांगकांग को चीन के हवाले करने के लिए सहमत हुआ था।

1986 ब्रिटेन और चीन के बीच हांगकांग को लेकर समझौता हुआ था।

1998 तेंदुलकर ने जिम्बाब्वे के खलिाफ़ एक दिवसीय क्रिकेट मैच में 18वां शतक लगाकर डेसमंड हेन्स का विश्व रिकार्ड तोड़ा था।

2001 अमेरिका ने कश्मीरी आतंकवादियों से निपटने का भारत को आश्वासन दिया था।

2002 फ्रांस ने इराक पर एकतरफ़ा कार्यवाही का विरोध किया था।

2004 अमेरिका ने अंतरिक्ष कार्यक्रमों के लिए भारत को तकनीक देने का निर्णय किया था।

2008 स्विस पायलट और आविष्कारक येन्स रॉसी अंग्रेजी चैनल में एक जेट इंजन संचालित पंख उड़ाने वाले पहले व्यक्ति बन गए थे।

2009 पूजा श्री वेंकटेश ने रश्मि चक्रवर्ती को हराकर आई.टी.एफ. महिला टेनिस टूर्नामेंट का ख़िताब जीता था।

2011 संयुक्त राष्ट्र ने स्वच्छ विकास तंत्र योजना के तहत हरित गृह गैसों में कमी लाने के लिए दिल्ली मेट्रो को दुनिया का पहला कार्बन क्रेडिट दिया जिसके अंतर्गत उसे सात सालों के लिए 95 लाख अमेरिकी डॉलर मिलेंगे।

रथ के रंग से निकली सियासत की बड़ी लड़ाई

सौरभ वार्धोय

उत्तर प्रदेश की आगामी 2027 की सियासत में चुनावी रणभेरी अभी पूरी तरह बजी भी नहीं है, लेकिन राजनीतिक तीर-कमान निकल चुके हैं। समाजवादी पार्टी की पीडीए राजनीति और बहुजन समाज पार्टी के सर्वजन संदेश के बीच खींचतान अब खुलकर सामने आने लगी है। बसपा की सुप्रीमो सुश्री मायावती ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर हमला बोलते हुए जिस तरह पीडीए रथ के रंग को राजनीतिक सवाल बना दिया है, उससे साफ है कि आने वाले चुनाव में लड़ाई केवल सत्ता के गलियारों तक सीमित नहीं रहने वाली। असली जंग सामाजिक समीकरणों, वोट बैंक और राजनीतिक नैरेटिव पर भी होगी।

मायावती ने सवाल उठाया है कि सपा का पीडीए रथ अपने पारंपरिक लाल रंग से कम और भाजपा-आरएसएस के भगवा रंग से अधिक प्रभावित क्यों नजर आ रहा है। उनके शब्दों में यह सवाल महज रंग का नहीं, बल्कि राजनीति के बदलते रंग का है। मायावती ने इसे सपा की वोट की राजनीति से जोड़ते हुए यह तक पूछ दिया कि क्या अखिलेश यादव का मुस्लिम मतदाताओं पर पहले जैसा भरोसा नहीं रहा?

सियासत में प्रतीकों की अपनी ताकत होती है। झंडे का रंग हो या चुनावी रथ, नारा हो या यात्रा हर चीज मतदाता तक एक राजनीतिक संदेश पहुंचाती है। लेकिन राजनीति के रंगों को सीधे वैचारिक बदलाव का प्रमाण मान लेना भी जल्दबाजी होगी। किसी प्रचार वाहन का रंग अपने आप में किसी दल की नीति, विचारधारा या चुनावी रणनीति का निर्णायक प्रमाण नहीं बन जाता। फिर भी मायावती ने जिस मुद्दे को उठाया है, उसकी राजनीतिक अहमियत इसलिए है क्योंकि उन्होंने रंग के बहाने सीधे सपा के सामाजिक समीकरण पर निशाना साधा है। अखिलेश यादव की राजनीति में पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक सामाजिक समूहों का गठजोड़ एक प्रमुख राजनीतिक सूत्र के रूप में सामने

आया है। समाजवादी पार्टी इस सामाजिक समीकरण को भाजपा के मुकाबले एक वैकल्पिक राजनीतिक धुरी के रूप में पेश करती रही है। मायावती का सवाल इसी धुरी की विश्वसनीयता पर है। वह पूछ रही हैं कि आखिर पीडीए की जमीन पर सपा का वास्तविक सामाजिक आधार कितना मजबूत है और उसमें दलितों तथा अल्पसंख्यकों की हिस्सेदारी किस रूप में है?

यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उत्तर प्रदेश की राजनीति में दलित वोट लंबे समय से बसपा की केंद्रीय राजनीतिक ताकत रहे हैं। यदि कोई दूसरा दल दलितों को अपने सामाजिक गठजोड़ का हिस्सा बनाने की कोशिश करता है तो स्वाभाविक रूप से बसपा के लिए यह राजनीतिक चुनौती बनती है। मायावती का हमला इसी चुनौती का जवाब भी माना जा सकता है।

मायावती ने मुस्लिम मतदाताओं का भी विशेष उल्लेख किया है। उनका तर्क है कि यदि मुस्लिम समाज ने पिछले चुनावों में समाजवादी पार्टी को समर्थन दिया, लेकिन उसके बावजूद भाजपा को सत्ता में आने से नहीं रोका जा सका, तो मुस्लिम मतदाताओं को अपने राजनीतिक विकल्प पर विचार करना चाहिए। यह तर्क सीधे उस धारणा को चुनौती देता है कि मुस्लिम मतदाता स्वाभाविक रूप से सपा के साथ रहेगा।

लेकिन यहां भी चुनावी राजनीति का एक पुराना सच सामने आता है। कोई भी वोट बैंक स्थायी नहीं होता। मतदाता किसी दल के साथ हमेशा के लिए बंधा नहीं होता। परिस्थितियां बदलती हैं, मुद्दे बदलते हैं और राजनीतिक समीकरण भी बदलते हैं। उत्तर प्रदेश जैसे विशाल और सामाजिक रूप से विविध राज्य में जाति, समुदाय, स्थानीय प्रत्याशी, सरकार का प्रदर्शन, राष्ट्रीय मुद्दे और चुनावी गठबंधन सभी मिलकर मतदान व्यवहार को प्रभावित करते हैं इसलिए मायावती का मुस्लिम मतदाताओं को दिया गया संदेश केवल सपा पर हमला नहीं है। यह बसपा की ओर से राजनीतिक विकल्प का दरवाजा खोलने की कोशिश भी है।

चुनाव आयोग के मतभेदों से उठे सवाल विश्वसनीयता पर जवाब जरूरी

नितिन गौतम

चुनाव आयोग के भीतर से जो खबर निकलकर सामने आई है, वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण तो है ही, उससे कहीं अधिक गंभीर इसलिए है कि वह देश की उस सांविधानिक संस्था की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करती है, जिस पर स्वतंत्र, निष्पक्ष व पारदर्शी चुनाव कराने और लोकतंत्र में जनता का भरोसा बनाए रखने की भी अहम जिम्मेदारी है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले दस महीनों में कम से कम 14 बार चुनाव आयोग के फैसलों पर आपत्ति जताई। इतना ही नहीं, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बाकी दोनों आयुक्तों की जानकारी के बगैर भी कई फैसले लिए। इस वजह से उन आयुक्तों को कैबिनेट सचिव को शिकायत भेजनी पड़ी। सवाल उठता है कि जब चुनाव आयोग एक सांविधानिक संस्था है, तो उसके दो सदस्यों को आपत्तियां दर्ज कराने के लिए कैबिनेट सचिव का रुख क्यों करना पड़?

चुनाव आयोग कैबिनेट सचिव के प्रति उत्तरदायी नहीं है। व्यवस्था के अनुसार, तीन सदस्यीय चुनाव आयोग के निर्णय बहुमत से होते हैं। सवाल यह भी है कि अगर ज्ञानेश कुमार बगैर अन्य चुनाव आयुक्तों की जानकारी या सहमति के निर्णय ले रहे थे, और बाकी दोनों चुनाव आयुक्त अपनी आपत्ति भी दर्ज करा रहे थे, तो आखिर ये निर्णय हो कैसे गए? आयोग ने अपना पक्ष रखते हुए कहा है कि आंतरिक नोट, सवाल और अलग-अलग राय निर्णय प्रक्रिया



का सामान्य हिस्सा हैं और आयोग के सभी आदेश तथा सुधार सर्वसम्मति से किए गए हैं। ध्यान रहे यह स्पष्टीकरण ज्ञानेश कुमार का नहीं, चुनाव आयोग का है, जिस पर अब तक किसी चुनाव आयुक्त का खंडन भी सामने नहीं आया है। आयोग के भीतर मतभेद पहली बार सार्वजनिक नहीं हुए हैं। इससे पहले भी मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों के बीच गंभीर मतभेद खुलकर सामने आते रहे हैं। इसलिए, केवल असहमति को संस्थागत संकट मान लेना उचित नहीं होगा। विपक्षी दलों को इस मुद्दे पर सहज ही सरकार व आयोग पर हमलावर होने का मौका मिल गया है। लेकिन, इस पूरे घटनाक्रम को राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप में बदल देने के बजाय सही दिशा देना उचित होगा। एक सांविधानिक संस्था पर संशय के बादल नहीं होने चाहिए, लेकिन एक व्यक्ति के बहाने पूरी प्रक्रिया को ही संदिग्ध बनाने की कोशिश उस संस्था को गहरी चोट पहुंचा सकती है। सवाल उठ रहे हैं, तो जवाब मिलने ही चाहिए, क्योंकि चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पूरे लोकतांत्रिक तंत्र के भरोसे का प्रश्न भी है।

राष्ट्रपति शी जिनपिंग और डोनाल्ड ट्रम्प के बीच द्विपक्षीय वार्ता?

राजेश बादल

वाशिंगटन के व्हाइट हाउस पर दो दिन तक दुनियाभर की नजरे रहने वाली हैं। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बीच गुरुवार को लंबी द्विपक्षीय वार्ता होगी। करीब ग्यारह साल बाद चीनी शिखर पुरुष अमेरिका जा रहे हैं। अपनी अटपटी प्रशासनिक शैली से संसार में अलग-थलग पड़ रहे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अपने चीनी समकक्ष के लिए पलक-पांछड़े बिछाकर स्वागत करने जा रहे हैं।

प्रोटेकोल की अनेक परंपराएं तोड़कर वे विमानतल पर स्वयं शी की अगवानी करेंगे। यह पहली बार है जब मेहमान के लिए व्हाइट हाउस के भीतर नए-नए तरीके अपनाए जा रहे हैं। उनके खाने-पीने से लेकर विश्राम तक में अनेकोड़ी शैलियां देखने को मिलेंगी। गौरतलब यह है कि लगभग चार महीने पहले जब डोनाल्ड ट्रम्प बीजिंग गए थे तो वहां भी उनके लिए भव्य प्रबंध किए गए थे।

लेकिन असल बात तो यह है कि दिखावे और तड़क-भड़क के पीछे दोनों मुल्क अपनी कूटनीतिक और कारोबारी सर्वोच्चता बनाए रखना चाहते हैं। कुछ वर्षों से बीजिंग संसार की एक तरह से दूसरी राजधानी बन गया है। इसलिए स्वागत के पीछे क्या छिपा है – कहना मुश्किल है। पर, शायद भारत के लिए इस बातचीत से कुछ सकारात्मक संदेश निकलते हैं।

जाहिरा तौर पर तो दोनों वैश्विक ताकतें अपनी वार्ता के दौरान अपने कारोबारी हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने वाली हैं। बीते कुछ वर्षों में अमेरिका को चीन ने झटका दिया है। डोनाल्ड ट्रम्प को एक से अधिक बार अपने बड़े हुए आक्रामक कदम पीछे खींचने पड़े हैं। इससे अपने ही देश में उनकी किरकिरी हुई है।

इतना ही नहीं, अमेरिका के पिछलग्गू राष्ट्रों ने भी चीन से अपने कारोबार की फिर से समीक्षा शुरू कर दी है। दुर्लभ खनिजों और भू-तत्वों के मामले में चीन अमेरिका पर भारी पड़ता है। इसलिए डोनाल्ड ट्रम्प ने उस समय अपने देश को कमजोर पाया जब चीन ने इन दुर्लभ खनिजों से जुड़े व्यापार पर एकरतफा रोक लगा दी थी। इसके बाद चीन-अमेरिकी व्यापार पर प्रतिकूल असर



पड़ा था। भारत के नजरिये से एक सकारात्मक परिणाम यह निकला था कि वैश्विक स्तर पर बड़ी कंपनियों ने अपनी भावी योजनाओं में तब्दीली शुरू कर दी थी। उन्होंने चीन के अलावा ऐसे वैकल्पिक राष्ट्र की खोज शुरू कर दी थी जहां वे अमेरिका-चीन के बीच गहरे तनाव के बावजूद कारोबार कर सकती थीं।

इसलिए उनका ध्यान भारत की ओर गया। ऐसा नहीं था कि वे चीन को एकदम धत्ता बताने की स्थिति में थीं, मगर वे सारे अंडे एक ही टोकरी में नहीं रखना चाहती थीं। इसका अर्थ यह भी नहीं है कि हिंदुस्तान इन वृहद औद्योगिक घरानों के लिए कोई आदर्श देश है। भारत की तुलना में आज भी चीन के भीतर प्रशिक्षित मैनपावर, बड़ा उत्पादन प्लेटफॉर्म और दुनियाभर में फैला सप्लायर नेटवर्क है। भारत इस तुलना में काफी पीछे है। हालांकि एप्पल जैसी कंपनियों ने भारत में जोरदार उपस्थिति दिखाई है। इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में भी भारत पीछे नहीं है। दवाओं का कारोबार भी हिंदुस्तान का सबसे मजबूत क्षेत्र है। दूसरा मुद्दा अमेरिका और चीन के बीच कृत्रिम बुद्धिमत्ता (नकली अक्ल या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) का है।

डोनाल्ड ट्रम्प और शी जिनपिंग वार्ता में यह एक प्रमुख मसला बताया जाता है। दोनों शिखर ताकतें इस कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़े खतरों को सीमित करने पर विचार कर सकती हैं। अमेरिका चाहेगा कि वह तकनीकी सर्वोच्चता के मामले में चीन का दखल स्वीकार नहीं करे, जबकि चीन इस सिलसिले में अमेरिका की ओर से लगाई गई कुछ तकनीकी बर्दशियों से राहत चाहेगा।



मायावती ने अपने बयान में ऊंची जातियों, खासकर ब्राह्मण समाज के बीच भी बसपा के पक्ष में रुझान बढ़ने का दावा किया है। यह दावा राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि बसपा की राजनीति का एक बड़ा अध्याय सामाजिक इंजीनियरिंग से जुड़ा रहा है। दलित आधार के साथ ब्राह्मण और अन्य सामाजिक समूहों को जोड़ने का प्रयोग उत्तर प्रदेश की राजनीति में पहले भी महत्वपूर्ण रहा है। ऐसे में मायावती का यह दावा बताता है कि बसपा एक बार फिर व्यापक सामाजिक गठबंधन की संभावना तलाश रही है लेकिन दावे और जमीन की हकीकत में अंतर होता है। किसी सामाजिक समूह के राजनीतिक रुझान में बदलाव का अंतिम प्रमाण चुनाव परिणाम या विश्वसनीय सर्वेक्षण ही दे सकते हैं। चुनाव से पहले किए गए राजनीतिक दावे स्वाभाविक रूप से अपने-अपने दलों के हित और रणनीति से जुड़े होते हैं। मायावती का दूसरा महत्वपूर्ण हथियार कानून-व्यवस्था का मुद्दा है। उन्होंने अपने शासनकाल को अपराध नियंत्रण, शांति-व्यवस्था और कानून के राज से जोड़ते हुए कहा है कि बसपा ऐसी सरकार का अनुभव पहले दे चुकी है। यह कोई नया राजनीतिक तर्क नहीं, बल्कि बसपा के चुनावी विमर्श का पुराना और महत्वपूर्ण हिस्सा है।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में कानून-व्यवस्था हमेशा बड़ा चुनावी मुद्दा रही है। अलग-अलग सरकारें अपने कार्यक्रमाल को लेकर अलग-अलग दावे करती रही हैं

और विपक्ष उनके दावों को चुनौती देता रहा है। ऐसे में चुनावी बहस का वास्तविक आधार यह होना चाहिए कि सरकारों के कार्यकाल में अपराध, पुलिस व्यवस्था, न्यायिक प्रक्रिया, निवेश, रोजगार और जनकल्याण से जुड़े ठीस आंकड़े क्या कहते हैं। मायावती का सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय का संदेश इसी प्रशासनिक दावे के साथ जुड़ा हुआ है। वह बसपा को केवल दलित राजनीति तक सीमित नहीं रखना चाहतीं। उनका कहना है कि पार्टी समाज के सभी वर्गों के लिए रोटी, रोजगार, सम्मान और स्वाभिमान की राजनीति करती है।

एक तरफ सपा का पीडीए है, जो पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों को एक राजनीतिक छतरी के नीचे लाने की कोशिश करता है। दूसरी तरफ बसपा का सर्वजन संदेश है, जो सामाजिक दायरे को व्यापक बनाने की बात करता है। दोनों ही रणनीतियों की सफलता अंततः इस बात पर निर्भर करेगी कि वे जमीन पर कितने मतदाताओं को अपने साथ जोड़ पाती हैं। उत्तर प्रदेश की राजनीति में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या पुराने सामाजिक समीकरण अपनी पुरानी शक्त में कायम रहेंगे या मतदाताओं का नया पुनर्संयोजन होगा?

मायावती का बयान इस संभावित पुनर्संयोजन की ओर संकेत करता है। वह सपा के उस दावे को चुनौती दे रही हैं कि पीडीए उसके लिए व्यापक सामाजिक समर्थन का आधार बन सकता है। साथ ही वह मुस्लिम मतदाताओं को यह संदेश दे रही हैं कि बसपा उनके सामने एक अलग राजनीतिक विकल्प है। इसी क्रम में ब्राह्मण और अन्य सर्वर्ण समूहों का उल्लेख करके वह अपने सामाजिक आधार को व्यापक बनाने की कोशिश का संकेत भी देती हैं। इस पूरी कवायद में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उत्तर प्रदेश की राजनीति में अब केवल कौन किसके साथ है का सवाल नहीं है। उससे बड़ा सवाल है ? कौन किस सामाजिक समूह को किस

टीएमसी के 20 बागी सांसद, तारीख पर तारीख का खेल?

सनत जैन

सुप्रीम कोर्ट ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से तृणमूल कांग्रेस के 20 सांसदों की अयोग्यता संबंधी याचिकाओं पर जल्द फैसला लेने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपेक्षा जताई है, जल्द से जल्द इस मामले में स्पीकर फैसला करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कोई समय सीमा तय नहीं की। यह जरूर कहा, सुप्रीम कोर्ट लोकसभा अध्यक्ष को निर्देश नहीं दे सकती है। जल्द से जल्द मामला निपटाने की याद जरूर दिला सकती है। ऐसी याद दिलाने का कोई असर नहीं होता है। जब भय ही नहीं होगा, तो इस तरह के निर्देश का कभी पालन भी नहीं होगा। टीएमसी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता और सांसद कल्याण बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि नोटिस के बावजूद भी सांसदों ने कोई जवाब नहीं दिया।

सलित्स्टर जनरल तुषार मेहता ने कहा, लोकसभा अध्यक्ष नोटिस जारी कर चुके हैं। वहीं बाकी सांसदों ्रति ओर से पेश वकीलों ने कहा, वह चार सप्ताह के अंदर नोटिस का जवाब दाखिल कर देंगे। कुल मिलाकर तारीख पर तारीख का यह खेल कोई नई बात नहीं है। दल-बदल कानून के अंगरंग दल बदलने वाले सांसदों और विधायकों की अयोग्यता को लेकर महाराष्ट्र से जो खेल शुरू हुआ था, सारे देश ने उसका हथ्र देख लिया है। महाराष्ट्र के मामले में भी इसी तरह से तारीख पर तारीख का खेल चला था। विधानसभा अध्यक्ष ने कई



महीनों तक फाइल को अपने पास दबा के रखा था। इसी बीच चुनाव आयोग भी एक-दूसरे की मदद कर रहे थे। चुनाव आयोग, सुप्रीमकोर्ट और विधानसभा/लोकसभा अध्यक्ष के बीच में इसी तरह का खेल कई बार पहले भी खेला जा चुका है। समय निकलने के बाद इस तरह की याचिकाओं का कोई मजलब नहीं रह जाता है। यह फैसला इसी तरह का हुआ, जब आदमी मर गया, तब उसके मामले में फैसला आया। उसके मरने के कारण फाउल बंद कर दी गई? लेकिन उसे समय पर न्याय नहीं मिला। महाराष्ट्र की लंबित दल-बदल याचिकाओं पर कानूनी बहस सुप्रीम कोर्ट में चल रही है। यह धारणा बनती चली जा रही है। दलबदल जैसे संवेदनशील मामले में हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट विवाद और दबाव से बचने के लिए तारीख पर तारीख का खेल खेलते हैं। विशेष रूप से उन मामलों में जहां लाभाभित पक्ष भाजपा हो। तेलंगाना में एक विधायक के दलबदल मामले में तेलंगाना हाईकोर्ट ने फटाफट फैसला सुना दिया है। विधायक की सदस्यता निरस्त कर दी है।

वहीं पिछले 4 महीने से टीएमसी के सांसद अभिषेक बनर्जी ने लोकसभा अध्यक्ष के यहां जो याचिका दायर कर कार्यवाही की मांग की थी। मानसून सत्र भी निकल गया। लोकसभा अध्यक्ष के यहां से तारीख पर तारीख का खेल खेला जा रहा है। इससे व्यथित होकर टीएमसी ने सुप्रीम कोर्ट की शरण ली। सुप्रीम कोर्ट ने भी तारीख पर तारीख का खेल खेलना शुरू कर दिया है। फैसला कब होगा, कुछ कहा नहीं जा सकता है। सालिसिटर जनरल भी इस मामले में सरकार की ओर से खड़े होकर बागी सांसदों और विधायकों की मदद कर रहे हैं। दल-बदल कानून को लेकर पिछले 4 वर्षों में जिस तरह से हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जाने के बाद भी जब कोई निर्णय प्राप्त नहीं होता है। महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल खत्म हो गया, दलबदलू वहां विधायक और मंत्री बने रहे। दोबारा चुनाव लड़ लिया। फैसला अभी तक नहीं आया। रही सही कसर चुनाव आयोग ने पूरी कर दी। महाराष्ट्र में उद्भव ठाकरे और शिवसेना का चुनाव चिन्ह सीज करने नया चुनाव चिन्ह दे दिया। कुछ इसी तरह की कार्यवाही चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में की है। जिसके कारण देश में संवैधानिक संस्थाओं को लेकर जो विश्वास आमजनकों के मन में था, वह विश्वास खत्म होता जा रहा है। अब यह धारणा बनने लगी है, न्यायपालिका सहित अन्य संवैधानिक संस्था जिसमें चुनाव आयोग भी शामिल है। सब सत्तारुढ़ दल भाजपा की सुविधा को

ध्यान में रखते हुए, या तो मामले को ढालते हैं या ऐसा निर्णय देते हैं, जिससे क्षेत्रीय पार्टी को नुकसान उठाना पड़ता है। महाराष्ट्र में उद्भव ठाकरे और शरद पवार की राखपा के साथ यही हुआ। अब पश्चिम बंगाल में टीएमसी के साथ यही सब हो रहा है। आम आदमी और राजनीतिक दल इस खेल को अच्छे तरीके से समझने लगे हैं। जिसके कारण सड़कों पर आकर विरोध करना और संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ जिस तरह का वातावरण बन रहा है, यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए कहीं से भी ठीक नहीं है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट को सभी संवैधानिक संस्थाओं और सभी सरकारों के कार्यों की समीक्षा का अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट संविधान के अनुसार यदि समय पर सुनवाई नहीं करती हैं या समय पर निर्णय नहीं करती हैं। जबकि उन्हें समीक्षा करने के बाद आदेश देने का पूर्ण अधिकार है। पिछले कुछ वर्षों से संवैधानिक संस्थाओं के साथ-साथ हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जिस तरह से तारीख पर तारीख का खेल खेला जा रहा है। अंतिम फैसला करने के स्थान पर अंतरिम आदेश देकर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। इसका फायदा त्वरित रूप से सत्तारूढ़ पार्टी को मिलता है। पीडित पक्ष इंतजार करता रह जाता है। संवैधानिक संस्थाओं की यह ट्रिंक साँप भी मर जाए और लाठी भी नहीं टूटे। इस हालत को देखते हुए अब लोगों के सब्र का बांध टूटने लगा है।

एसआईआर की सफाई में फंसते मतदाता!

रजनीश कपूर

चुनावी लोकतंत्र की रीढ़ मतदाता सूची है। जब वह शुद्ध हो, तब लोकतंत्र भी मजबूत होता है। लेकिन जब शुद्धिकरण का अर्थ ही लाखों-करोड़ों वास्तविक मतदाताओं को सूची से बाहर कर देना बन जाए, तब चुनाव आयोग जैसी संस्था की विश्वसनीयता भी संकट में पड़ जाती है। चुनाव आयोग द्वारा शुरू किए गए विशेष गहन पुनरीक्षण (एस.आई.आर.) का यही विरोधाभास आज देश के कई राज्यों में साफ दिख रहा है। देखा जाए तो आयोग का आधिकारिक लक्ष्य सही है, कोई पात्र मतदाता छूटे नहीं, कोई अपात्र शामिल न हो। सुप्रीम कोर्ट ने भी एस.आई.आर. की वैधता को बरकरार रखा। लेकिन सवाल प्रक्रिया के सिद्धांत का नहीं, उसके क्रियावन्धन का है। घर-घर प्रगणन, 2002 की पुरानी सूची से मैपिंग, 'ताकिक विसंगति' जैसे अस्पष्ट श्रेणीबद्ध आधार और नोटिस्सों की बाढ़ ने आम मतदाता को अपराधी जैसा महसूस कराया है। इस प्रक्रिया के आंकड़े चौंकाने वाले हैं। बिहार में मतदाता सूची लगभग 7.89 करोड़ से घटकर अंतिम रूप में करीब 7.42 करोड़ रह गई। उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, गुजरात समेत 12 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों की संयुक्त सूची में भी करोड़ों नाम घटे। उत्तर प्रदेश में सबसे बड़ी संख्या में कटौती बताई गई, पश्चिम बंगाल में भी 10 प्रतिशत से अधिक गिरावट दर्ज हुई। वहीं महाराष्ट्र में 2 करोड़ से अधिक नाम बाहर दिखे, कर्नाटक में 1 करोड़ से ऊपर, दिल्ली में करीब 47.56 लाख। ऐसे में विपक्ष का दावा है कि पूरे देश में मसौदा स्तर पर लगभग 13 करोड़ से अधिक नाम हटाए जा चुके हैं। ये आंकड़े अंतिम स्थायी कटौती नहीं हैं, लेकिन पैमाना इतना बड़ा है कि 'शुद्धिकरण' शब्द ही संदेह पैदा करता है। दिल्ली का उदाहरण सबसे ताजा और सबसे चिंताजनक है। 2025 के विधानसभा चुनाव राजधानी की सूची करीब 1.56 करोड़ थी। एस.आई.आर. शुरू होने से पहले ही यह घटकर लगभग 1.45 करोड़ रह गई। फिर प्रगणन में केवल 67 प्रतिशत फॉर्म जमा हुए और मतदाता सूची 97.53

लाख पर सिमट गई। यानी एक-तिहाई से अधिक नाम सूची से गायब। इसके बाद भी मतदाता सूची में शामिल करीब 33 लाख मतदाताओं को नोटिस जारी किए गए। इनमें लगभग 13.79 लाख इसलिए, कि उनका नाम 2002 की गहन पुनरीक्षण सूची से मैप नहीं हो सका और 19.33 लाख 'ताकिक विसंगति' के नाम पर। वहीं दिल्ली के मुख्य चुनाव अधिकारी ने बार-बार कहा है कि नोटिस का मतलब कटौती नहीं है, सुनवाई के बिना कोई नाम नहीं कटेगा। फिर भी लाखों परिवारों में अफरा-तफरी है। पश्चिम बंगाल का अनुभव और भी सबक देता है। वहां लाखों नाम 'संदिग्ध' श्रेणी में डाले गए। अपील न्यायाधिकरणों में निपटाए गए मामलों में बहाली की दर बहुत ऊंची रही। अगर सुनवाई के बाद इतने बड़े हिस्से को पात्र माना जा रहा है, तो पहले करण में उन्हें अपात्र मानने की प्रक्रिया में गड़बड़ी स्पष्ट है। बिहार और बंगाल से दिल्ली आए प्रवासी मतदाता एक और जाल में फंस गए हैं—एक राज्य की सूची से नाम कटा, दूसरे में मैपिंग नहीं हुई, तीसरे में 'पहले से नामांकित' का ठप्पा लग गया। नतीजा, नागरिक तीनों जगहों पर वोट देने का हक खो बैठा। एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने 10 महीनों में कम से कम 14 बार इस प्रक्रिया पर लिखित आपत्ति दर्ज की हैं। जिसमें नई पंजीकरण प्रक्रिया, नाम जोड़ने-काटने, फॉर्म-6 में बदलाव, बंगाल में बहाली के आदेशों के खिलाफ अपील जैसे मुद्दों पर ध्यान आर्जित किया गया। अखबार का दावा है कि कुछ नोट्स में फैसलों को उनकी जानकारी के बिना लिया गया बताया गया। इस पर आयोग का जवाब है कि मतभेद सामान्य विचार-विमर्श का हिस्सा हैं और अंतिम निर्णय सर्वसम्मति से ही हुए। संस्था के अंदर असहमति लोकतांत्रिक स्वास्थ्य का संकेत भी हो सकती है, बशर्ते वह पारदर्शी हो। लेकिन जब 3 में से 2 आयुक्त बार-बार प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे हों और बाहर करोड़ों नागरिक नोटिस और कटौती से जूझ रहे हों, तब 'सर्वसम्मति' का दावा पर्यटी नहीं दिखाई देता।



आयुर्वेद से भगाएं ऑस्टियोआर्थराइटिस

इस हालत में किसी भी गतिविधि के बाद या आराम की लंबी अवधि के बाद जोड़ों का लचीलापन कम हो जाता है और वो सख्त हो जाते हैं और दर्ददायक बनते हैं। ऑस्टियोआर्थराइटिस के लिए एलोपैथिक उपचार के अलावा, कुछ आयुर्वेदिक इलाज भी उपलब्ध हैं। आयुर्वेद कहता है कि शरीर में तीन जीव-ऊर्जा या दोष होते हैं, जो हमारे शरीर के विभिन्न कार्यों को नियंत्रित करते हैं। वात, कफ और पित्त यह उनके नाम हैं। जब एक व्यक्ति किसी भी प्रकार की बीमारी से ग्रस्त होता है, तब यह इन दोषों में असंतुलन की वजह से होता है।

ऑस्टियोआर्थराइटिस वात दोष में एक असंतुलन के कारण होता है और इसलिए ऑस्टियोआर्थराइटिस के लिए आयुर्वेदिक इलाज में इस दोष को संतुलित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, जिससे व्यक्ति को दर्द से राहत मिलने में आसानी होती है।

ये हैं जड़ीबूटी

- गुग्गुलु : ऊतकों को मजबूत बनाता है।
- त्रिफला : विषैले तत्वों को शरीर से साफ करना।
- अश्वगंधा : शरीर और मन को आराम और तंत्रिका तंत्र को उत्तेजना देना।
- कैस्टर (एरंडी) : इस

आयुर्वेद में ऑस्टियोआर्थराइटिस को संधिवात के रूप में जाना जाता है, जो जोड़ों का विकार है। इसका मतलब है कि हमारे शरीर के निचले हिस्से की हड्डियों को सपोर्ट देने वाले सुरक्षात्मक कार्टिलेज और कोमल ऊतकों का किसी कारणवश टूटना शुरू होना है।

तेल को दर्द होने वाले क्षेत्र में लगाने के साथ ही इसका सेवन भी लिया जा सकता है, क्योंकि यह एक प्रभावी औषधि है।

बाला : शरीर में रक्त परिसंचरण को बढ़ाने के लिए, दर्द को कम करने के लिए, नसों को ठीक करता है एवं शरीर में ऊतकों का विकास होता है।

शालाकी : अपने सूजन विरोधी गुणों के लिए और शरीर की हड्डियों के करीब के ऊतकों की मरम्मत करने में सक्षम होने के गुण के लिए उपयोगी है।



रोजाना खाएं अदरक मिलेंगे अनगिनत फायदे

अदरक एक भारतीय मसाला है जो घर में रोजाना इस्तेमाल होता है। अदरक में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट्स, आयरन, कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखने का काम करते हैं। अदरक खाने से कई फायदे होते हैं। आज हम उन्हीं फायदों के बारे में बताएंगे। चलिए जानते हैं एक टुकड़ा अदरक रोजाना खाने से शरीर को किस प्रकार फायदा मिलता है।

जी मचलाना

जी मचलना और उल्टी की समस्या को रोकने के लिए अदरक औषधि की तरह का काम करता है। 1 चम्मच अदरक के जूस में 1 चम्मच नींबू का रस मिलाएं। इसको हर दो घंटे बाद पीएं। जल्द ही राहत मिलेगी।

गठिया दर्द में राहत

अदरक में एंटी-इन्फ्लेमेट्री प्रॉपर्टीज होती है जो जोड़ों के दर्द को खत्म करने में सहायक है। अदरक को खाने से या इसका लेप लगाने से भी दर्द खत्म होता है। इसका लेप बनाने के लिए अदरक को अच्छे से पीस लें। उसमें हल्दी मिला लें। इस पेस्ट को दिन में दो बार लगाएं। कुछ ही दिनों में फर्क दिखाई देने लगेगा।

मासिक धर्म में फायदेमंद

कुछ महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान बहुत दर्द होती है। ऐसे में अदरक की चाय काफी फायदा पहुंचाती है। इसलिए दिन में 2 बार अदरक की चाय पीएं। इससे दर्द कम होगा।

सर्दी- जुकाम और फ्लू

सर्दी-जुकाम और फ्लू जैसी समस्या से बचने के लिए नियमित रूप से अदरक का सेवन करें। यह शरीर को गर्म रखता है जिससे पसीना अधिक आता है और शरीर गर्म बना रहता है।

अदरक में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट्स, आयरन, कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखने का काम करते हैं। अदरक खाने से कई फायदे होते हैं।

माइग्रेन का इलाज

जिन लोगों को माइग्रेन की समस्या है उनके लिए अदरक रामबाण है। जब भी माइग्रेन का अटैक आए, तब अदरक की चाय बना कर पीएं। इसको पीने से माइग्रेन में होने वाले दर्द और उल्टी से काफी हद तक राहत मिलेगी।

दिल को रखता है स्वस्थ

अदरक कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने, ब्लड प्रेशर को ठीक रखने, खून को जमने से रोकने का काम करता है। इससे दिल संबंधित बीमारियां भी नहीं होती हैं। इसलिए अपनी डाइट में अदरक को शामिल करें।

पाचन तंत्र मजबूत

अदरक पेट फूलने, कब्ज, गैस, एसिडिटी जैसी समस्याओं को ठीक रखने में भी सहायक है। जिन लोगों को पेट से संबंधित समस्याएं रहती हैं वह रोजाना सुबह खाली पेट अदरक का सेवन करें।

मोर्निंग सिकनेस

मोर्निंग सिकनेस की समस्या अधिकतर गर्भवती महिलाओं को होती है। रोजाना सुबह अदरक के 1 टुकड़े को चबा कर खाएं। कुछ दिनों तक अदरक खाने से मोर्निंग सिकनेस की समस्या दूर हो जाएगी।

ऊर्जा करें प्रदान

अदरक खाने से शरीर गर्म तो रहता ही है साथ ही उसे एनर्जी भी मिलती है। रोजाना सुबह अदरक वाली चाय पीने से शरीर में चुस्ती- फुर्ती बनी रहेगी।

अनुलोम विलोम से स्वच्छ व निरोग रहती हैं नाड़ियां

यदि नाक के बाएं छिद्र से सांस खींचते हैं, तो नाक के दाहिने छिद्र से सांस को बाहर निकालते हैं। अनुलोम- विलोम प्राणायाम को कुछ योगीगण ‘ नाडी शोधक प्राणायाम ’ भी कहते हैं। उनके अनुसार इसके नियमित अभ्यास से शरीर की समस्त नाड़ियों का शोधन होता है यानी वे स्वच्छ व निरोग बनी रहती हैं। इस प्राणायाम के अभ्यासी को वृद्धावस्था में भी गठिया, जोड़ों का दर्द व सूजन आदि शिकायतें नहीं होतीं।

प्राणायाम की विधि

अपनी सुविधानुसार पश्चासन, सिद्धासन, स्वस्तिकासन अथवा सुखासन में बैठ जाएं। दाहिने हाथ के अंगूठे से नासिका के दाएं

अनुलोम का अर्थ होता है सीधा और विलोम का अर्थ है उल्टा। यहां पर सीधा का अर्थ है नासिका या नाक का दाहिना छिद्र और उल्टा का अर्थ है- नाक का बायां छिद्र। अर्थात अनुलोम- विलोम प्राणायाम में नाक के दाएं छिद्र से सांस खींचते हैं, तो बायाँ नाक के छिद्र से सांस बाहर निकालते हैं।

छिद्र को बंद कर लें और नासिका के बाएं छिद्र से 4 तक की गिनती में सांस को भरें और फिर बायाँ नासिका को अंगूठे के बगल वाली दो अंगुलियों से बंद कर दें। तत्पश्चात दाहिनी नासिका से अंगूठे को हटा दें और दायाँ नासिका से सांस को बाहर निकालें। अब दायाँ नासिका से ही सांस को 4 की गिनती तक भरें और दायाँ नाक को बंद करके बायाँ नासिका खोलकर सांस को 8 की गिनती में बाहर निकालें। इस प्राणायाम को 5 से 15 मिनट तक कर सकते हैं।

लाभ

फेफड़े शक्तिशाली होते हैं। सर्दी, जुकाम व दमा की शिकायतों से काफी हद तक बचाव होता है। हृदय बलवान होता है। इससे हार्ट अटैक नहीं होता।



एम्ब्लायोपिया स्थाई रूप से धुंधली हो सकती है दृष्टि

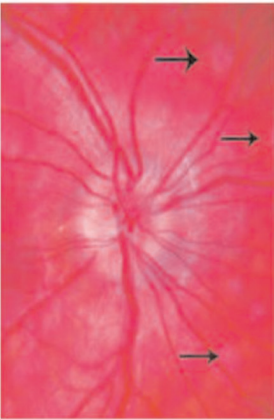
जिन बच्चों की आंखों की अश्रु नलिकाएं बचपन से ही अवरुद्ध होती हैं। उनकी दृष्टि धुंधली हो सकती है। यदि जन्म के बाद शुरुआती छह से 10 साल के अंदर इसका इलाज न कराया जाए तो दृष्टि स्थाई रूप से धुंधली हो सकती है। इस बीमारी को एम्ब्लायोपिया या लेजी आई कहते हैं।

तीन साल से कम उम्र के ऐसे बच्चे जिनमें अश्रुनलिकाएं (नैसोलेक्रिमल डक्ट) अव्बंदकृत हैं- एनएलडीओ) अव्बंदकृत होती हैं। उनमें एम्ब्लायोपिया बीमारी होने का खतरा बढ़ जाता है। इनमें से छह प्रतिशत मरीज ऐसे होते हैं, जिनमें जन्म से ही यह परेशानी होती है।

रखें सावधानी

पेंसिलवेनिया के लैनकास्टर के फैमेली आई ग्रुप के अध्ययनकर्ता नोएल एस. मैटा व डेविड आई. सिलबर्ट का कहना है कि अध्ययन में शामिल 375 बच्चों में से 22 प्रतिशत बच्चों में एम्ब्लायोपिया के खतरे के कारक थे। सामान्य आबादी में इस बीमारी की आठ गुना की दर से वृद्धि हो रही है।

जन्मजात बीमारी मैटा का कहना है, हमने एनएलडीओ की जन्मजात परेशानी वाले सभी बच्चों की जांच की बात कही। हमने सावधानीपूर्वक उनमें एम्ब्लायोपिया के खतरे के कारकों की मौजूदगी का अध्ययन किया।



रात के समय कार्बोहाइड्रेड चीजें खाने से बचें

शाम के पांच बजे के बाद कार्बोहाइड्रेट लेना चाहिए या नहीं? यदि वजन पर नियंत्रण रखना चाहते हैं तो पांच नहीं सात बजे के बाद ऐसी चीजें खाने से बचें, जिनमें कार्बोहाइड्रेड होता है। रात के समय हमेशा ऐसी चीजें ही खाएं, जो आसानी से पच जाएं।

- केला और सेब लौह तत्वों से भरपूर हैं। इसलिए वह कटने के बाद भूरे हो जाते हैं। यह गलतफहमी है। भूरा होने की वजह आयरन नहीं एंजाइम हैं। रंग गहराने के पीछे फलों में मौजूद फिनॉलिक कंपाउंड का ऑक्सीडेशन है, ये कंपाउंड हवा में तैरती ऑक्सीजन के संपर्क में आने से रंग बदलते हैं।

लो फैट का दूध लें

- दूध और उससे बने उत्पाद बचपन बीत जाने के बाद उपयोगी नहीं। दूध और दूध से बने उत्पादों में केवल प्रोटीन ही नहीं आवश्यक एमिनो एसिड, फैटी एसिड तथा कैल्शियम के साथ विटामिन ए, डी तथा मैग्नीशियम, फास्फोरस व पोटेशियम भी होता है। दूध अवश्य लें भले ही वह लो फैट हो।
- खाने में डाले गए नमक से ज्यादा नुकसानदेह है, ऊपर से नमक डालना? नमक तैयार खाने में पहले से डाला गया हो या ऊपर से मिलाया गया, उसमें मौजूद सोडियम एक समान होता है।
- आयरन का बेहतर स्रोत होने के कारण पालक ही

रक्त की कमी से बचाता है। बहुत सी पतेंदार सब्जियों में भरपूर आयरन होता है जैसे, ब्रॉक्ली में 40 मि.ग्रा., चौलाई- 20 मि.ग्रा., सरसों में 16-3 मि.ग्रा., गाजर की पत्तियों में 18 मि.ग्रा. आयरन होता है, जबकि पालक में 1.1 मि.ग्रा. होता है।

- सूजी अनाज नहीं है? सूजी मैदा का दानेदार रूप है। इसमें पोषक तत्वों की मात्रा पॉलिश चावल और मैदे के समान होती है।

एक अंडा ही रोज खाएं

- शुगर फ्री उत्पाद हेल्दी होते हैं। आमतौर पर लोग अकसर शुगर फ्री उत्पादों को लो कैलोरी मान डायबिटीज और वजन नियंत्रण के लिए उपयोगी समझते हैं, परंतु ये शुगर फ्री उत्पाद अनेक अनदेखे शुगर स्रोतों से युक्त होते हैं। इनका अधिक सेवन स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डालता है।
- अंडों में कोलेस्ट्रॉल अधिक होता है, इसलिए इसे नहीं खाना चाहिए। एक अंडे में 215 मि.ग्रा. कोलेस्ट्रॉल होता है, अकेले एक अंडे की जर्दी में 300 मि.ग्रा. कोलेस्ट्रॉल होता है, लेकिन अंडे में अन्य पौष्टिक तत्वों की बहुलता है। हाल ही में हर्ब रिसर्च से पता चला कि जो लोग एक अंडा प्रतिदिन खाते हैं, उन्हें अंडा न खाने वालों की तुलना में हृदय रोग का खतरा कम होता है।
- उपवास रखने से शरीर के टॉक्सिन बाहर

निकलते हैं। उपवास संतुलित भोजन और अधिक कैलोरीज पर नियंत्रण रखता है, लेकिन इस दौरान रिच डाइट, फल, जूस, अधिक मेवे आदि लेने से इसका उलटा भी हो सकता है।

चीनी ज्यादा न खाएं

- चीनी खाने से डायबिटीज होती है। यह सोच कर चीनी न खाने पर डायबिटीज नहीं होगी, गलत है। स्टार्च, फैट, प्रोटीन और चीनी जैसे अधिक कैलोरी वाले खाद्य शरीर में इंसुलिन की मात्रा बढ़ाकर डायबिटीज को जन्म देते हैं। जब शरीर कार्बोहाइड्रेट को पचाने में अक्षम हो, तभी डायबिटीज होती है।
- शहद जैसे प्राकृतिक पदार्थ शुगर का विकल्प हैं। बहुत से लोग सोचते हैं कि ये शुगर फ्री तथा कम कैलोरी वाले प्राकृतिक स्रोत हैं तथा इन्हें रिफाइन भी नहीं किया जाता, इसलिए ये नुकसानदेह नहीं। लेकिन 1 चम्मच शहद में 65 कैलोरी तथा एक चम्मच शुगर में 46 कैलोरी होती है। ग्लाइसिमिक इंडेक्स भी शहद में 87 तथा शुगर में 59 होता है।
- बिना नमक का खाना तेजी से वजन कम करता है। याद रखें कि पहले तो सोडियम के न रहने पर पानी कम होता है न कि फैट। नर्वस सिस्टम सही ढंग से काम करे, इसके लिए भी सोडियम जरूरी होता है। इसका लेवल डिप्रेशन, स्वभाव परिवर्तन

स्वास्थ्य सही है तो शरीर सही है। शरीर सही है तो मन सही है। इसलिए अपने स्वास्थ्य पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। हम आपको बताते हैं, हेल्थ के क्या लेना चाहिए और क्या नहीं।

और कमजोरी का कारण होता है।

- शुगर मूड को प्रभावित करती है। इंसानी दिमाग ऊर्जा के लिए पूरे तौर पर ब्लड शुगर (ग्लूकोज) पर निर्भर रहता है। इसकी कमी से हाइपोग्लेसिमिया का दौरा तथा कमजोरी, डिप्रेशन, दिमागी गड़बड़ियां हो सकती हैं।

केला-दूध फायदेमंद

- रात में मेटाबॉलिज्म सिस्टम धीमा होता है। इसलिए भारी नाश्ता करना चाहिए। सुबह का नाश्ता दिन भर की ऊर्जा के लिए बेहद जरूरी है, लेकिन इसके लिए भारी की जरूरत नहीं। आप केले या दूध से भी काम चला सकती हैं।
- मछली खाने के बाद दूध नहीं पीना चाहिए। ऐसा हमेशा नहीं होता। लेकिन कुछ स्थितियों में इसे मान लेना बेहतर होता है।
- बिना शुगर के फलों के जूस प्राकृतिक व शुगर फ्री होते हैं। ये लो कैलोरी जरूर होते हैं, लेकिन इसमें फ्रूक्टोस होने के कारण शुगर फ्री नहीं होते।

सुप्रीम कोर्ट में सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ याचिका

नईदिल्ली। उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर की गई है जिसमें मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े मामलों में कथित तौर पर वैधानिक दायित्वों का उल्लंघन करने को लेकर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया है। अधिवक्ता चांद कुरैशी के माध्यम से अधिवक्ता शैलेंद्र मणि त्रिपाठी द्वारा दायर याचिका में अनुरोध किया गया है कि ज्ञानेश कुमार द्वारा कथित तौर पर दोनों चुनाव आयुक्तों की सहमति के बिना लिए गए फैसलों, जारी दिशा-निर्देशों और किए गए सॉफ्टवेयर बदलावों को असंवैधानिक और अमान्य घोषित किया जाए। याचिका में यह भी अनुरोध किया गया है कि एसआईआर से संबंधित ऐसे सभी फैसलों को अवैध घोषित किया जाए और मूल ‘फॉर्म-6’ को बहाल किया जाए। इसके अलावा याचिका में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूचियों से कथित तौर पर करीब 13 करोड़ मतदाताओं के नाम हटाए जाने के मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने का भी अनुरोध किया गया है।

चुनावी प्रक्रिया पर उठ रहे सवालों का जवाब दें ज्ञानेश कुमार

नईदिल्ली। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने शुक्रवार को कहा कि भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई), और खासकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को चुनावी प्रक्रिया पर उठाए जा रहे सवालों का मजबूती से जवाब देना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि चुनावों में जनता का भरोसा कम न हो। उन्होंने कहा कि अगर चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाए जा रहे हैं, तो मेरा मानना ​​है कि सीईसी की यह जिम्मेदारी है कि वे मजबूती से अपना पक्ष रखें। अगर लोगों के मन में चुनावी प्रक्रिया को लेकर संदेह है, तो यह गलत है। चुनाव आयोग को अपनी बात मजबूती से रखनी चाहिए ताकि लोगों के मन में कोई संदेह न रहे। लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के नेता का यह बयान कांग्रेस नेता राहुल गांधी की उस मांग के जवाब में आया है, जिसे उन्होंने चुनाव आयोग की स्पेशल इंटेसिव रिविजन (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर चल रहे विवाद के बीच कुमार के इस्तीफे की मांग की थी।

उमर अब्दुल्ला ने केंद्र से मांगा कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने केंद्र शासित प्रदेश की विधानसभा में राज्य का दर्जा बहाल करने का औपचारिक प्रस्ताव पेश किया है। प्रस्ताव पेश करते हुए उन्होंने केंद्र सरकार को उसके उन पुराने वादों की याद

दिलाई, जिनमें परिसीमन और चुनाव की प्रक्रिया पूरी होने के बाद जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा वापस देने का आश्वासन दिया गया था। विधानसभा के पटल पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार और सर्वोच्च न्यायालय सहित विभिन्न मंचों से जम्मू-कश्मीर की जनता को तीन चरणों वाली प्रक्रिया की प्रतिबद्धता जताई गई थी। विधानसभा में बोलते हुए, उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों से तीन चरणों वाली प्रक्रिया का वादा किया गया था- परिसीमन, चुनाव और फिर राज्य का दर्जा बहाल करना- और उन्होंने तर्क दिया कि पहले दो चरण पहले ही पूरे हो चुके हैं।

न कांग्रेस में लौटूंगा, न सीएम की दौड़ में हूं : अमरिंदर सिंह

चंडीगढ़। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने लंबे समय बाद अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कांग्रेस में लौटने की संभावना से साफ इन्कार किया है। वहीं उन्होंने ये भी साफ किया कि भाजपा में रहकर उन्हें कुछ हासिल नहीं हुआ है और वह खुद को मुख्यमंत्री की दौड़ से बाहर मानते हैं। कैप्टन अमरिंदर का यह बयान विधानसभा चुनाव से ठीक पहले आया है। कैप्टन अमरिंदर सिंह 2021 में नवजोत सिद्धू से विवादों के चलते कांग्रेस से अलग हो गए थे। उनके बाद चरणजीत सिंह चन्नी को मुख्यमंत्री बनाया था। कांग्रेस छोड़ने के बाद उन्होंने अपनी एक नई पार्टी बनाई थी। बाद में उन्होंने अपनी पार्टी का भाजपा में विलय कर दिया था। अब उन्होंने स्पष्ट किया है कि उनकी कांग्रेस में जाने की कोई योजना नहीं है। हालांकि, भाजपा में अपने भविष्य को लेकर उन्होंने निराशा व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि भाजपा में उन्हें कोई महत्वपूर्ण भूमिका नहीं मिली है। अमरिंदर सिंह ने खुद को मुख्यमंत्री पद की दौड़ से बाहर बताया है।

पूर्व टीएमसी विधायक अजीत मेती को पुलिस ने किया गिरफ्तार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल पुलिस ने शुक्रवार को तृणमूल कांग्रेस के एक पूर्व विधायक को वित्तीय धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार किया है। उन पर पार्टी कार्यकर्ता से पार्टी पद दिलाने का वादा करके पैसे लेने का आरोप है। पश्चिम मेदिनीपुर जिला पुलिस सूत्रों के अनुसार, पिंगला विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर चुके अजीत मेती को शुक्रवार सुबह खड़गपुर थाने के मदपुर इलाके में उनके आवास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद उन्हें डेबरा थाने ले जाया गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि उन्हें दिन में मेदिनीपुर की जिला अदालत में पेश किया जाएगा, जहां सरकारी वकील पूछताछ के लिए उनकी हिरासत की मांग कर सकते हैं। पुलिस का कहना है कि अजीत मेती पर आरोप है कि उन्होंने तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता को पार्टी में पद दिलाने का झांसा देकर उससे पैसे लिए थे। यह गिरफ्तारी उसी कार्यकर्ता की शिकायत के आधार पर की गई है। गिरफ्तारी के बाद अजीत मेती ने पत्रकारों से कहा कि वह राजनीतिक बदले की भावना का शिकार हुए हैं। उन्होंने कहा, मुझे न्यायपालिका पर भरोसा है और मुझे यकीन है कि मुझे न्याय मिलेगा।

ग्रेटर नोएडा से अमित शाह की हुंकार

उत्तर प्रदेश का ब्रह्मोस उड़ा रहा पाकिस्तान की नींद

लखनऊ। गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में कहा कि राज्य में बन रही ब्रह्मोस मिसाइलों की वजह से पाकिस्तान की नींद उड़ी हुई है। उन्होंने राज्य की बढ़ती डिफेंस मैनुफैक्चरिंग क्षमताओं और निवेश के माहौल पर जोर दिया। ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के चौथे एडिशन के उद्घाटन के मौके पर शाह ने कहा कि उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के सभी छह नोड्स झांसी, चित्रकूट, लखनऊ, आगरा, अलीगढ़ और कानपुर में निवेश आ रहा है। लखनऊ में ब्रह्मोस फैसिलिटी का जिक्र करते हुए शाह ने कहा आज यूपी में बनी एके-203 असॉल्ट राइफलों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा इसी तरह, अमेठी में बनी एके-203 असॉल्ट राइफलों नक्सलियों और आतंकवादियों, दोनों की नींद उड़ा रही हैं।

लखनऊ में ब्रह्मोस इंटीग्रेशन और टेस्टिंग फैसिलिटी सेंटर का उद्घाटन मई 2025 में यूपी डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के हिस्से के तौर पर किया गया था। यह फैसिलिटी सुपरसोनिक करूज मिसाइल की असेंबली, इंटीग्रेशन और टेस्टिंग का काम करती है। यहाँ बनी ब्रह्मोस मिसाइलों के पहले बैच को अक्टूबर 2025 में हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया था। यह फैसिलिटी लगभग 200 एकड़ ज़मीन पर करीब 300 करोड़ रुपये के निवेश से बनाई गई थी। इसका मकसद देश में ही डिफेंस मैनुफैक्चरिंग को मजबूत करना और सहायक उद्योगों व कुशल रोजगार का इकोसिस्टम तैयार करना था।



शाह ने कहा कि ग्लोबल उथल-पुथल के बावजूद भारत ने अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत किया है। उन्होंने एक्सपोर्ट के मौके बढ़ाने का श्रेय मोदी सरकार की आर्थिक और व्यापार नीतियों को दिया। उन्होंने कहा कि जिन लोगों की सोच पूर्वाग्रह से भरी है, वे भारत की तरक्की बर्दाश्त नहीं कर पाते। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने कई देशों के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) किए हैं। शाह ने कहा इन समझौतों ने हमारे उद्योगों की निर्यात क्षमता को बहुत ज्यादा बढ़ाया है और कई मुश्किलों का सामना करने के बावजूद हमने अपनी विकास दर बनाए रखी है। उन्होंने कहा कि डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में आ रहे निवेश से न सिर्फ उत्तर प्रदेश में, बल्कि पूरे देश में डिफेंस से जुड़े उत्पाद बनाने में मदद मिल रही है। शाह ने एक ज़िला, एक उत्पाद पहल का भी जिक्र किया और कहा कि इससे उत्तर प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले युवाओं को नौकरी की तलाश में राज्य छोड़कर जाना पड़ता था, जबकि अब स्थानीय उद्योगों के विकास से उन्हें घर के पास ही ज्यादा अवसर मिल रहे हैं।

ईसीआई विवाद पर प्रियंका ने भाजपा पर साधा निशाना

■ **कहा-13 करोड़ मतदाताओं के नाम हटाए गए**

नई दिल्ली। ईसीआई को लेकर कांग्रेस और भाजपा के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। इसी बीच शुक्रवार को कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड़ा ने भाजपा की प्रतिक्रिया पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास लगाए गए आरोपों के तथ्य और सबूत मौजूद हैं। जिन्हें राहुल गांधी कई प्रेस कॉन्फ्रेंस में सार्वजनिक कर चुके हैं। इसके साथ ही दावा किया कि 13 करोड़ मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं।

प्रियंका गांधी ने शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा, माफ कीजिए, यह बहुत पुरानी और कमजोर कहानी है। इसके लिए तथ्य और सबूत मौजूद हैं। पूरा देश इसे देख सकता है। मेरे भाई (राहुल गांधी) ने कई प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसे दिखाया है। उन्होंने सबूत सबके सामने रखे हैं। अब यह बात बिल्कुल साफ है। 13 करोड़ वोटरों के नाम हटा दिए गए हैं। यह एक बेतुका बहाना है। भाजपा को ऐसे बेतुके बहाने बनाना बंद कर देना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि अगर वे हमारे चुनावों में दखल दे रहे हैं और अगर उनकी लीडरशिप चुनाव आयोग से ऐसा करवा रही है, तो यह देशद्रोह जैसा काम है। उन्हें इस बात का एहसास होना चाहिए। वे गैर-कानूनी काम कर रहे हैं। वे कितने वर्षों से चुनावों में धांधली कर रहे हैं? जाहिर है, वे हर समय बहुत ज्यादा आत्मविश्वास से भरे रहते हैं।

इसके बाद जब उनसे पूछा गया कि क्या कांग्रेस इसके खिलाफ किसी



विरोध-प्रदर्शन की योजना बना रही है। तो इस पर उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि सीडब्ल्यूसी की एक बैठक होने वाली है, जिसके लिए मुझे वापस जाना है। तो उस बैठक में ही तय किया जाएगा कि आगे क्या कदम उठाए जाएंगे।

वहीं, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर राहुल गांधी की टिप्पणी पर शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा, राहुल गांधी का स्वभाव बहुत माफ करने वाला है। वे राष्ट्रीय हित में उन लोगों को माफ करना चाहते हैं जो सभी गलत कामों के लिए जिम्मेदार हैं। सत्ता में बैठे लोगों के आदेशों से चुनाव आयोग ने वोट चोरी की। चुनाव आयोग इसमें शामिल है। राहुल गांधी ने ज्ञानेश कुमार को सरकारी गवाह बनने और उन सभी लोगों का नाम बताने का मौका दिया है जिन्होंने उन्हें ऐसा करने के लिए मजबूर किया। 2029 में इस देश में नई सरकार बनेगी और जिम्मेदार लोग जेल जाएंगे।

दरअसल, इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, चुनाव आयोग के कामकाज और फैसले लेने की प्रक्रिया को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि दो चुनाव आयुक्त सुखवीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में 14 बार आपत्ति दर्ज कराई।

एसआईआर विवाद पर देशभर में कांग्रेस का प्रदर्शन

ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग, सड़कों पर उतरे कार्यकर्ता

नई दिल्ली। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर चल रहे विवाद के बीच कांग्रेस ने शुक्रवार को देशभर में प्रदर्शन किया। दिल्ली, चंडीगढ़, जम्मू-कश्मीर, लखनऊ, कोलकाता और देहरादून समेत कई जगहों पर कांग्रेस कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की। दिल्ली में भी चुनाव आयोग के कार्यालय के बाहर सुरक्षा बढ़ाई गई और कांग्रेस के प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस बल तैनात किया गया।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में भी कांग्रेस विधायकों ने मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ नारेबाजी की। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही कांग्रेस विधायक निजामुद्दीन भट, इरफान हाफिज लोन और इफ्तिखार अहमद ने प्रदर्शन किया। उन्होंने वोट बचाओ, लोकतंत्र बचाओ और निष्पक्ष चुनाव के बिना लोकतंत्र नहीं जैसे नारे लिखे बैनर दिखाए।

देशभर में कहां-कहां हुए प्रदर्शन?

चंडीगढ़ में भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की। वहीं वोट बचाओ, लोकतंत्र बचाओ और निष्पक्ष चुनाव के नारे देते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ और पश्चिम बंगाल के कोलकाता में भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में कांग्रेस सांसद कुमारी शैलजा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया और ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग उठाई।

असम में गौरव गोगोई के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान गौरव गोगोई को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।



पंजाब में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने, उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और गिरफ्तारी की मांग की। उन्होंने बताया कि कांग्रेस कार्यकर्ता 25 सितंबर को चंडीगढ़ में सेक्टर-17 स्थित चुनाव आयोग कार्यालय तक मार्च निकालेंगे।

हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने चुनाव आयोग से जुड़े मुद्दों को लेकर राज्य चुनाव आयोग के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने राज्य चुनाव आयोग के कार्यालय के बाहर लगे आधिकारिक बोर्ड पर कालिख पोत दी।

अरुणाचल प्रदेश में विपक्षी कांग्रेस ने शुक्रवार को पार्टी के देशव्यापी आंदोलन के तहत इटानगर में प्रदर्शन किया और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की। प्रदेश कांग्रेस ने विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया रोकने, मतदाता सूची से जुड़े फैसलों की स्वतंत्र जांच कराने और जांच पूरी होने तक आगामी चुनावों को स्थगित रखने की मांग की। पार्टी ने ज्ञानेश कुमार के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई शुरू करने और एसआईआर प्रक्रिया से जुड़ी सभी फाइलों को सुप्रीम कोर्ट की हिरासत में रखने की भी मांग की। राजधानी में निर्वाचन भवन के पास प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चुनाव आयोग के खिलाफ नारे लगाए।

स्टो प्रमुख समाचार

कमलजीत-सुरुचि की जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम में जीता गोल्ड

नागोया। भारतीय निशानेबाज कमलजीत और सुरुचि सिंह ने व्यक्तिगत स्पर्धाओं में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद जोरदार वापसी करते

हुए एशियाई खेलों की 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में हुए स्वर्ण पदक जीता।

कमलजीत और सुरुचि ने फाइनल में कुल 484.6 अंक हासिल किए। दक्षिण कोरिया को सुब्रोन होंग और गाउन चू की जोड़ी 478.0 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रही, जबकि ईरान ने 415.8 अंक के साथ कांस्य पदक जीता। भारतीय जोड़ी ने रजत पदक विजेता जोड़ी से 6.6 अंक की बढ़त बनाई। इससे पहले कमलजीत और सुरुचि ने क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल कर फाइनल में प्रवेश किया था।

उन्होंने पहली सीरीज में 196 अंक, दूसरी में 195 और तीसरी में 196 अंक जुटाकर कुल 587 अंक हासिल किए, जिसमें 29 इनर-10 शामिल थे। यह 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धाओं में भारत का पदक जीतने का आखिरी मौका था। कमलजीत व्यक्तिगत क्वालीफिकेशन में नौवें और सुरुचि 26वें स्थान पर रही थीं और दोनों व्यक्तिगत फाइनल में जगह नहीं बना सकी थीं।

भारत पुरुष और महिला टीम स्पर्धाओं में भी पदक से चूक गया था। फाइनल में भारतीय जोड़ी ने शुरुआत से ही बढ़त बनाए रखी। पहले 10 शॉट के बाद वे 202.4 अंक के साथ शीर्ष पर थीं। सुरुचि ने पहली कोशिश में 10.4 और कमलजीत ने 9.7 अंक हासिल किए, जबकि दूसरी कोशिश में सुरुचि ने 10.2 और कमलजीत ने 9.8 अंक जुटाए। इसके बाद 101.3 अंक की अगली सीरीज के साथ भी भारतीय जोड़ी ने अपनी बढ़त बरकरार रखी।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/

प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 315 अंक बढ़ा निफ्टी 23,100 के पार

नई दिल्ली। गुरुवार की तेज बिकवाली के बाद शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार ने राहत की सांस ली। कारोबार के दौरान बाजार में उतार-चढ़ाव काफी ज्यादा रहा और सेंसेक्स और निफ्टी कई बार बढ़त और गिरावट के बीच झूलते रहे। हालांकि, दिन के अंत में खरीदारी हावी रही। सेंसेक्स 315.20 अंक यानी 0.42% की बढ़त के साथ 73,895.74 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 77.41 अंक यानी 0.34% चढ़कर 23,140.50 पर पहुंच गया। कच्चे तेल की कीमतों में नरमी को बाजार की मजबूती से जोड़कर देखा गया।सेक्टरल प्रदर्शन मिला-जुला रहा।कंज्यूम ड्यूरेबल्स और रियल्टीसेक्टर मजबूत क्षेत्रों में रहे। इसके अलावा प्राइवेट बैंक, ऑटो, फाइनेंशियल सर्विसेज, मेटल्ल्स और मीडिया से जुड़े शेयरों में भी बढ़त देखने को मिली। दूसरी ओर, हेल्थकेयर, सीमेंट और व्यापक फाइनेंशियल सर्विसेज के कुछ हिस्सों में कमजोरी रही।

75% यूपीआई व्यापारियों पर एमडीआर का असर नहीं

नईदिल्ली। भारत में डिजिटल भुगतान स्वीकार करने वाले करीब तीन-चौथाई व्यापारियों ने एकबार में कभी 2,000 रुपये से अधिक का कोई लेनदेन नहीं किया है। इसलिए यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) पर लगने वाले मर्चेट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) का उन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के प्रबंध निदेशक दिलीप और मुख्य कार्याधिकारी आस्वे ने शुक्रवार को ये बातें कहीं। आस्वे की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब देश भर के व्यापारी और कारोबारी संगठनों ने 2 अक्टूबर को 'नो यूपीआई डे' मनाने यानी यूपीआई से लेनदेन नहीं करने की घोषणा की है। ये संगठन 15 अक्टूबर से 2,000 रुपये से अधिक के यूपीआई लेनदेन पर 0.4 फीसदी मर्चेट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लगाए जाने का विरोध कर रहे हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के टैरिफ के बीच ब्रिक्स देशों से बढ़ता व्यापार

डॉ. जयंती लाल भण्डारी

यकीनन यह कोई छोटी बात नहीं है कि जहां इस समय अमेरिका के नए कानून से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मुट्ठी में भारत पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की शक्ति आ गई है, वहीं दूसरी ओर टैरिफ चुनौतियों के बीच ब्रिक्स देशों में भारत से निर्यात बढ़ रहे हैं। साथ ही ब्रिक्स के कई देशों में भारत के लिए कारोबार की नई संभावनाएं आकार ले रही हैं।

वर्ष 2006 में जो ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) महज पांच देशों का समूह था, वह अब 11 पूर्णकालिक सदस्यों का एक अत्यधिक प्रभावशाली और शक्तिशाली आर्थिक ब्लॉक बन चुका है। इसमें पांच मूल देशों के साथ मित्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और इंडोनेशिया शामिल हो चुके हैं।

इसके साथ ही 10 अन्य राष्ट्रों को सहयोगी देश का दर्जा दिया गया है। इस समय ब्रिक्स का जनसांख्यिकीय एवं आर्थिक प्रभाव अभूतपूर्व है। यह संगठन वैश्विक जनसंख्या के करीब 50 प्रतिशत हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है। सफल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आधार पर ब्रिक्स का वैश्विक जीडीपी में योगदान करीब 40 प्रतिशत हो चुका है।

हाल ही में वाणिज्य मंत्रालय के द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के मुताबिक 2चालू वित्त वर्ष 2026-27 के पहले पांच महीनों (अप्रैल से अगस्त) में भारत और ब्रिक्स देशों के बीच व्यापारिक संबंधों में उल्लेखनीय प्रगति देखी गई है। इस अवधि के दौरान भारत का प्रमुख ब्रिक्स सदस्य राष्ट्रों - चीन, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील और रूस - को कुल निर्यात 34 प्रतिशत से बढ़कर 19.9 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है।



यह आंकड़ा न केवल भारतीय उत्पादों की बढ़ती वैश्विक मांग को दर्शाता है, बल्कि यह भी स्पष्ट करता है कि भारत उभरती अर्थव्यवस्थाओं के साथ अपने व्यापारिक संतुलन को मजबूत करने में सफल हो रहा है। ब्रिक्स देशों में चीन भारत का सबसे बड़ा साझेदार है। ब्रिक्स देशों में चीन को होने वाले भारतीय निर्यात में सबसे अधिक उछाल देखने को मिला।

चीन को निर्यात 39 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि के साथ 9.6 अरब डॉलर तक पहुंच गया। ब्रिक्स देशों को हुई कुल निर्यात वृद्धि में चीन का योगदान सर्वाधिक रहा है, जो

दोनों देशों के बीच व्यापारिक गतिशीलता में सुधार का संकेत है। दक्षिण अफ्रीका में सबसे तेज वृद्धि रही है। प्रतिशत के लिहाज से दक्षिण अफ्रीका ने सबसे शानदार प्रदर्शन किया है।

भारत से दक्षिण अफ्रीका को किए जाने वाले निर्यात में 58 पर प्रतिशत की भारी बढ़त दर्ज की गई, जो अफ्रीका महाद्वीप में भारतीय सामानों की बढ़ती पैठ को रेखांकित करता है। ब्राजील और रूस में भी भारत से निर्यात बढ़ा। दक्षिण अमेरिकी साझेदार ब्राजील को होने वाले निर्यात में 13 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि रूस को निर्यात में 11 प्रतिशत की दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की गई।

ब्रिक्स की इन चार प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के साथ हुए इस बेहतर व्यापारिक प्रदर्शन का सीधा असर भारत के समग्र निर्यात बास्केट पर पड़ा है। भारत के कुल वैश्विक व्यापारिक निर्यात में इन ब्रिक्स

देशों की हिस्सेदारी बढ़कर 9.2 प्रतिशत हो गई है, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि (अप्रैल-अगस्त) में केवल 8.1 प्रतिशत थी।

यह वृद्धि दर्शाती है कि भारत अपने निर्यात बाजार में विविधता लाने और पारंपरिक पश्चिमी बाजारों के अलावा ब्रिक्स जैसे मजबूत आर्थिक ब्लॉकों के साथ रणनीतिक व्यापार संबंधों को ग्राह्य करने में लगातार सफल हो रहा है। प्रौद्योगिकी के इस दिनों भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रकाशित हो रहे राष्ट्रीय और वैश्विक विश्लेषणों में कहा जा रहा है कि 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की सफलता से भारत को बहुआयामी आर्थिक उपयोगिताएं मिली हैं।

निश्चित रूप से ब्रिक्स देशों के बीच स्थानीय मुद्दा में आयात-निर्यात के लेन-देन से भारतीय अर्थव्यवस्था को बहुस्तरीय आर्थिक लाभ प्राप्त होंगे।

→ **मदकू में 68.96 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात** ←

मुख्यमंत्री साय ने 21 विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं शिलान्यास

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज मुंगेली जिले के ग्राम मदकू में 68 करोड़ 96 लाख 96 हजार रुपये की लागत के 21 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास कर क्षेत्रवासियों को बड़ी सौगात दी। इस अवसर पर उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन, बिजली, खेल और जनसुविधाओं के विस्तार से जुड़ी अनेक महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं। मुख्यमंत्री श्री साय ‘सेवा संकल्प अभियान’ के अंतर्गत आयोजित ‘आंगन मिलन सेवा, रक्तदान एवं निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविर’ में भी शामिल हुए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार का संकल्प है कि विकास की गति तेज हो और जनसेवा की पहुंच समाज के अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित हो। गांवों में अच्छी सड़कें हों, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हों, माताओं और बच्चों को पर्याप्त पोषण मिले और गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों तक शासन की प्रत्येक योजना का लाभ सहजता से पहुंचे। इसी सोच के साथ हमारी सरकार पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है।



मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को शासन के केंद्र में रखा है। उनके नेतृत्व में पिछले वर्षों में देश में विकास के साथ जनकल्याण का एक नया अध्याय लिखा गया है। छत्तीसगढ़ में भी हमारी सरकार प्रधानमंत्री जी की इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि ‘सेवा संकल्प अभियान’ केवल एक अभियान नहीं, बल्कि जनसेवा के संकल्प को

जनभागीदारी से और मजबूत करने का माध्यम है। इसके माध्यम से स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता और जनकल्याण की योजनाओं को जरूरतमंदों तक पहुंचाने के साथ समाज में सेवा और सहयोग की नया अध्याय लिखा गया है। छत्तीसगढ़ में भी हमारी सरकार प्रधानमंत्री जी की इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

स्वस्थ माता और सुपोषित बच्चा मजबूत समाज की नींव

आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र हमारे बच्चों के पोषण और माताओं के स्वास्थ्य की महत्वपूर्ण आधारशिला हैं। बच्चों के जीवन के शुरुआती वर्ष उनके संपूर्ण विकास के लिए सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। इसलिए उनके पोषण, स्वास्थ्य, टीकाकरण और प्रारंभिक देखभाल पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि आंगन मिलन के माध्यम से परिवार, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका और स्वास्थ्यकर्मी एक साथ बैठकर बच्चों के पोषण, गर्भवती माताओं की देखभाल, एनीमिया, टीकाकरण और स्वच्छता जैसे विषयों पर संवाद कर रहे हैं। यह पहल स्वस्थ परिवार और स्वस्थ समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

गंगरेल बांध के खोले गए 10 गेट

धमतरी। जिले में लगातार हो रही बारिश के बीच गंगरेल बांध में पानी की आवक बढ़ जाने के कारण गंगरेल बांध के 10 गेट खोल दिए गए हैं। बांध से पानी छोड़े जाने के बाद महानदी और आसपास के नदी-नालों में जलस्तर बढ़ने की संभावना है। प्रशासन और जल संसाधन विभाग की ओर से स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। लगातार बारिश के चलते गंगरेल बांध के कैचमेंट एरिया से बड़ी मात्रा में पानी पहुंच रहा है। जलाशय में पानी का स्तर बढ़ने के बाद जल संसाधन विभाग ने अतिरिक्त पानी की निकासी शुरू की है। गेट खोले जाने के साथ ही बांध से पानी का बहाव तेज हो गया है। भारी जल आवक के चलते गंगरेल बांध से महानदी में करीब 1 लाख 22 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया है, जबकि सोढ़र बांध से 42570 क्यूसेक पानी और सिकासार जलाशय गेल खोलकर पैरी नदी में छोड़ा गया है। जलाशयों के लगातार बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन और जल संसाधन विभाग द्वारा स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

गंगरेल जलाशय का जलभराव 99.01 प्रतिशत तक पहुंच गया है। जलस्तर के प्रबंधन और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए गंगरेल के गेटों से पानी छोड़ा जा



खातिगुड़ा बांध के तीन गेट खुले, बस्तर में बाढ़ का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा

जगदलपुर। बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवाती तूफान अर्नब से बस्तर में हो रहे लगातार बारिश के कारण बस्तर जिले में बाढ़ की स्थिति निर्मित हो गई है। बस्तर में लगातार हो रही भारी बारिश से हालात बिगड़ने लगे हैं। इंद्रावती नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है और निचले इलाकों में अलर्ट जारी किया गया है। ओडिशा में इंद्रावती नदी पर स्थित खातिगुड़ा बांध के गेट कल रात से खोल दिए गए थे। खातिगुड़ा में एक और गेट खोल दिया गया है, अब तीन गेट खुल गए हैं। इंद्रावती की सहायक मोरान नदी के बांध का भी दो गेट आज शुक्रवार सुबह खोल दिया गया है। इससे बस्तर में नदी का जलस्तर अब और तेजी से बढ़ सकता है। इंद्रावती नदी खतरे के निशान से एक सवा मीटर ऊपर बह रही है। जगदलपुर पुराना पुल में खतरे का निशान 8.300 मीटर है, जबकि आज सुबह 10 बजे जलस्तर 9.500 मीटर पहुंच चुका था। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण देव ने महापौर संजय पांडे, बस्तर कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक एवं संबंधित अधिकारियों से फोन से चर्चा कर बाढ़ग्रस्त इलाकों एवं शहर के जल भराव वाले क्षेत्रों के हालात के संबंध में जानकारी लेकर प्रशासन को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं।

रहा है। ताजा अपडेट के अनुसार 1 लाख 22 हजार क्यूसेक पानी महानदी नदी में छोड़ा जा रहा है। इसी प्रकार मुरुमसिल्ली जलाशय से 7558 क्यूसेक और दुधावा जलाशय से 16762 क्यूसेक पानी

गंगरेल की ओर छोड़ा जा रहा है। सोढ़र जलाशय भी लगातार बढ़ते जलस्तर के बीच 89.42 प्रतिशत भर चुका है। यहां से 42,570 क्यूसेक पानी पैरी/महानदी नदी की ओर छोड़ा जा रहा है।

सड़कों, पुलों और भवनों के काम को मिलेगी रफ्तार

रायपुर। लोक निर्माण विभाग बरसात के बाद सड़कों, पुल-पुलियों और भवनों के निर्माण को रफ्तार देने की तैयारी में है। लोक निर्माण विभाग के सचिव श्री मुकेश कुमार बंसल ने आज वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों और सभी परिक्षेत्रों के मुख्य अभियंताओं, अधीक्षण अभियंताओं एवं कार्यपालन अभियंताओं की बैठक लेकर फील्ड में कार्यों की गति देने की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने ठेकेदारों के साथ भी बैठक कर निर्माण सामग्री, मशीनरी और मानव संसाधन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

लोक निर्माण विभाग के सचिव



ने नवा रायपुर स्थित निर्माण भवन में आयोजित बैठक में अक्टूबर से निर्माणाधीन कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाने और अप्रारंभ कामों को शुरू कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को कार्यस्थलों की समस्याओं का तत्परता से निराकरण कर ठेकेदारों को बाधामुक्त कार्यस्थल उपलब्ध कराने को कहा।

उन्होंने ठेकेदारों से नियमित संवाद और अच्छा समन्वय रखते हुए टाइमलाइन के अनुसार कार्यों की प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यों में गुणवत्ता और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने को कहा। श्री बंसल ने सभी कार्यपालन अभियंताओं को हर दो महीने में अनुविभागीय अधिकारियों, सहायक अभियंताओं, उप अभियंताओं और ठेकेदारों के साथ बैठक कर प्रगति की समीक्षा करने के निर्देश दिए।

रायपुर नगर निगम की एमआईसी बैठक अब 29 को

रायपुर। रायपुर नगर निगम की मेयर इन कार्डंसिल (एमआईसी) की बैठक की तारीख बदल दी गई है। पहले यह बैठक 25 सितंबर को होनी थी, लेकिन शासन स्तर के एक आयोजन के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। अब एमआईसी की बैठक 29 सितंबर को दोपहर 1 बजे नगर निगम मुख्यालय के महात्मा गांधी सदन में होगी। बैठक महापौर मोनल चौबे के आदेश पर बुलाई गई है। बैठक में एमआईसी के सदस्य और नगर निगम से जुड़े अधिकारी शामिल होंगे।

फूल लेकर आए नन्हे कदम, उप मुख्यमंत्री शर्मा ने बच्चों को गोद में उठाया, बच्चों की मासूमियत ने जीता दिल

कवर्धा। आंगनबाड़ी केंद्र में जब दो-तीन साल के नन्हे बच्चे फूल लेकर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के स्वागत के लिए आगे बढ़े, तो माहौल में सहज अपनापन दिखाई दिया। किसी बच्चे के हाथ में फूल था तो किसी के हाथ में अपनी बनाई हुई चित्रकारी। बच्चों ने मासूमियत से उप मुख्यमंत्री को फूल भेंट किए। श्री शर्मा भी बच्चों के बीच पहुंचे और उनके साथ ऐसे घुल-मिल गए, जैसे परिवार के किसी बड़े के साथ बच्चे सहज होकर बातें करते हैं। उन्होंने बच्चों को गोद में उठाया, उनसे बातचीत की, तस्वीरें खिंचवाई और उन्हें खिलौने व चॉकलेट भेंट किए।

सेवा संकल्प अभियान के तहत कबीरधाम



जिले के जिला मुख्यालय कवर्धा के आंगनबाड़ी केंद्र दरीपारा में आयोजित ‘आंगन मिलन सेवा’ कार्यक्रम का शुभारंभ उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने किया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों और महिलाओं के बीच पहुंचे

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां आकर बिल्कुल घर जैसा माहौल महसूस हो रहा है। बच्चों की मासूमियत और उनका उत्साह देखकर मन प्रसन्न हो गया।

बच्चों द्वारा बनाई गई चित्रकारी ने उप मुख्यमंत्री का विशेष ध्यान खींचा। नन्हे हाथों से बनाए गए चित्रों को देखकर उन्होंने बच्चों की रचनात्मकता की सराहना की। उन्होंने कहा कि आज के बच्चे छोटी उम्र में ही कितनी अच्छी तरह सोचकर चित्र बना रहे हैं। एक बच्चे द्वारा सैनिक, भगवान शंकर और तिरंगे से जुड़ा चित्र बनाए जाने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि बच्चे ने जिस तरह अपने विचार को चित्र के माध्यम से व्यक्त किया।

छत्तीसगढ़/राजधानी प्रमुख समाचार

मोहला में मेगा स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन



रायपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के जिला मुख्यालय मोहला में मेगा स्वास्थ्य शिविर एवं दिव्यांगजनों के लिए विशेष मेडिकल बोर्ड शिविर का आयोजन किया गया। समाज कल्याण एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित इन शिविरों के माध्यम से नागरिकों को स्वास्थ्य जांच, उपचार संबंधी परामर्श और शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया गया। शिविर में दिव्यांगजनों के प्रमाणपत्र एवं यूडीआईडी कार्ड बनाने के साथ ही पात्र हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड, टीबी मरीजों को पोषण आहार तथा बुजुर्गों की सहायक उपकरण प्रदान किए गए। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहला में आयोजित विशेष जिला मेडिकल बोर्ड शिविर में लगभग 51 नागरिकों ने सहभागिता की। चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा दिव्यांगजनों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं दिव्यांगता का आकलन किया गया। परीक्षण के उपरांत पात्र हितग्राहियों के दिव्यांग प्रमाणपत्र एवं यूडीआईडी कार्ड तैयार करने की प्रक्रिया पूरी की गई।

डिजिटल क्रांप सर्वे 30 सितंबर तक पूरा करने के निर्देश

कांकेर। शासन की महत्वपूर्ण योजना एग्रीस्टेक परियोजना के अंतर्गत जिले में फसलों के वास्तविक एवं सटीक आंकड़े तैयार करने के लिए डिजिटल क्रांप सर्वे (डीसीएस) के माध्यम से शत-प्रतिशत फसल गिरदावरी का कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा द्वारा जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारियों (राजस्व) को डिजिटल क्रांप सर्वे का शेष कार्य 30 सितंबर तक अनिवार्य रूप से पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए हैं। भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी अनुसार जिले में कुल 1005 ग्राम हैं, जिनमें से 999 ग्रामों में डिजिटल क्रांप सर्वेक्षण के माध्यम से फसल गिरदावरी किया जाना है। कुल 5,26,664 खसरों की डिजिटल फसल गिरदावरी में से अब तक 5,17,578 खसरों की गिरदावरी कार्य पूर्ण हो चुका है। वर्तमान में 9,086 खसरों का सर्वेक्षण गिरदावरी कार्य किया जाना शेष है।

कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि फसल सर्वेक्षण एवं भौतिक सत्यापन के लिए खसरों का जियो रेफरेंसिंग नहीं हुआ है, ऐसे 14,858 खसरों को चिन्होक्त किया गया है। इन खसरों को हल्का पटवारियों के मोबाइल एप से लिंक किया गया है। संबंधित खसरों का भौतिक सत्यापन करने के बाद डीसीएस सर्वेयरों के माध्यम से डिजिटल क्रांप सर्वे का कार्य निष्पारित समय-सीमा में पूरा किया जाए।

ट्रक ने डीजे पिकअप को मारी टक्कर, 6 की मौत, 7 गंभीर

बालोद। शुक्रवार की दोपहर में सूबे के बालोद जिले में हुई सड़क दुर्घटना में 5 लोगों की मौत हो गई और 7 अन्य घायल हुए हैं जिनमें 4 की हालत गंभीर बताई जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस व मेडिकल दस्ता तत्काल घटनास्थल पर पहुंच गया। मुख्यमंत्री



विष्णु देव साय ने बालोद जिले के मरकाटोला घाट में हुई भीषण सड़क दुर्घटना में कई लोगों के असामयिक निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह हादसा गुरुक थानान्तर्गत आने वाले बालोद जिले के बस्तर व राजधानी रायपुर से जोड़ने वाली राष्ट्रीय राजमार्ग 30 पर मरकाटोला घाट में हुआ। जहां एक ट्रक और डीजे वाले पिकअप में जबरदस्त भिड़ंत हो गई। दोनो के बीच टक्कर इतनी भीषण थी कि, पिकअप के परखच्चे उड़ गए और भारी भरकम ट्रक पलट गया। मिली जानकारी के मुताबिक, पिकअप में 13 युवक सवार थे। उनमें से 3 की घटनास्थल ही पर मौत हो गई, वहीं 3 घायलों ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। 7 अन्य घायल हैं, जिनस से तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसा इतना जबरदस्त था कि, धान की बारियों से भरा विशालकाय ट्रक ना सिर्फ पलट गया बल्कि, धान के बारे सड़क पर इधर-उधर बिखर गए। घायलों को धमतरी जिला हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

आयुष्मान कार्ड निर्माण में सूरजपुर प्रदेश में प्रथम

सूरजपुर। प्रधानमंत्रीनरेंद्र मोदी की संकल्पना अनुरूप मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में स्वास्थ्य सुविधाओं को पात्र परिवारों तक पहुंचाने की दिशा में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जल आरोग्य योजना के तहत सूरजपुर जिले ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। आयुष्मान कार्ड निर्माण में जिला प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। जिले में अब तक 7 लाख 66 हजार 134 आयुष्मान कार्ड और 16 हजार 4 वय वंदन आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुका है। स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, आयुष्मान कार्ड निर्माण की उपलब्धि लगभग 97 प्रतिशत है। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ श्री विजेंद्र सिंह पाटले के मार्गदर्शन तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन में आयुष्मान कार्ड निर्माण के लिए जिले में महाअभियान चलाया गया। स्वास्थ्य, पंचायत, महिला एवं बाल विकास सहित अन्य विभागों के सहयोग से एक माह में लगभग 19 हजार 318 हितग्राहियों का आयुष्मान कार्ड और 2 हजार 519 हितग्राहियों के वय वंदन आयुष्मान कार्ड बनाया गया। सेवा संकल्प अभियान के तहत अन्न शेष पात्र हितग्राहियों के कार्ड बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सेवा संकल्प शिविरों में बनाए जायेंगे कार्ड, उपचार प्राप्त हितग्राहियों से भी होगा। संवाद सीएमएचओ ने जानकारी दी है कि 17 अक्टूबर 2026 तक चल रहे सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत प्रत्येक विकासखंड में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जाएगा।

राजनांदगांव में झांकी कैसिल भारी बारिश बनी वजह



राजनंदगांव। राजनांदगांव में गणेश उत्सव के तहत आयोजित होने वाली झांकी बारिश की वजह से कैसिल कर दी गई। लगातार हो रही बारिश और मौसम खराब होने के कारण आयोजकों ने झांकी नहीं निकालने का फैसला लिया। इससे गणेश उत्सव को लेकर तैयारियों में जुटे श्रद्धालुओं और समितियों को निराशा हुई। गणेश उत्सव के दौरान राजनांदगांव में झांकियां आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहती हैं। अलग-अलग गणेश समितियों की ओर से झांकियों को सजाया जाता है और बड़ी संख्या में श्रद्धालु इन्हें देखने पहुंचते हैं। लेकिन इस बार बारिश ने आयोजन की तैयारियों को प्रभावित कर दिया। लगातार बारिश के कारण सड़कों पर पानी और फिसलन की स्थिति बनने के साथ झांकी निकालने में भी परेशानी की आशंका थी। मौसम को देखते हुए आयोजकों ने कार्यक्रम को रद्द करने का निर्णय लिया।

मंत्रिमंडलीय उप-समिति की बैठक में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी एवं कस्टम मिलिंग की तैयारियों की हुई विस्तृत समीक्षा

इस वर्ष धान खरीदी व्यवस्था समय पर हो पूरा : खाद्य मंत्री

रायपुर। आगामी खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए राज्य शासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री दयाल दास बघेल की अध्यक्षता में गुरुवार 24 सितंबर को आयोजित मंत्रिमंडलीय उप समिति की बैठक में धान खरीदी एवं कस्टम मिलिंग से जुड़ी तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में किसानों की सुविधा, धान उपार्जन केंद्रों की व्यवस्था, जूट बारदानों की उपलब्धता तथा कस्टम मिलिंग के चावल जमा करने की प्रगति पर



की गई। बैठक में कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल तथा वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी शामिल हुए। मंत्रिमंडलीय उप समिति ने अधिकारियों को निर्देशित किया

कि धान खरीदी प्रारंभ होने से पहले सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से पूरी कर ली जाएं, ताकि किसानों को धान बेचने में किसी प्रकार की असुविधा न हो। धान उपार्जन के लिए बारदानों की उपलब्धता की समीक्षा करते

360 नए धान खरीदी केंद्रों से को मिलेगी सुविधा

बैठक में बताया गया कि खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रदेश में 360 नवीन धान खरीदी केंद्र खोले गए हैं। इन नए केंद्रों में धान खरीदी से संबंधित सभी आवश्यक तैयारियां समय रहते पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। मंत्रिमंडलीय उप समिति ने नवीन खरीदी केंद्रों में धान उपार्जन के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सभी जरूरी संसाधनों एवं व्यवस्थाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उप समिति ने कहा कि धान खरीदी की पूरी प्रक्रिया किसान-केंद्रित हो तथा खरीदी केंद्रों पर किसानों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

हुए मंत्रिमंडलीय उप समिति ने आवश्यक नए एवं पुराने जूट बारदानों की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि विपणन संघ द्वारा जूट कमिश्नर, कोलकाता के माध्यम से 3.64 लाख गठान

नए जूट बारदानों की व्यवस्था की जा रही है। अब तक विपणन संघ की 1.14 लाख गठान नए जूट बारदाने प्राप्त हो चुके हैं। उप समिति ने शेष आवश्यक बारदानों की उपलब्धता भी समयबद्ध रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बलौदाबाजार। सेवा संकल्प अभियान के तहत शुक्रवार को नगर भवन बलौदाबाजार में दिव्यांगजनों हेतु चिन्हांकन प्रमाणिकरण एवं आनंद स्मॉट कृत्रिम अंग, कैलिपर्स एवं स्प्रिंट वितरण शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में राजस्व मंत्री टंकुराम वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में दीपा प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। शिविर में 29 दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग और कैलिपर्स निर्माण कर वितरित किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र



मोदी के जन्म दिन 17 सितम्बर से शुरू होकर 17 अक्टूबर तक पूरे एक महीने देश और प्रदेश में सेवा संकल्प अभियान चल रहा है। इस अभियान के माध्यम से सरकार लोगों के बीच पहुंच रही और उनसे जुड़कर योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी आधुनिक भारत के निर्माता है

और भारत को विकसित बनाने की ओर अग्रसर हैं। हम सब प्रधानमंत्री जी के 2047 तक विकसित भारत, स्वस्थ एवं आत्मनिर्भर भारत बनाने के आह्वान और विजन को साकार करना है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय छत्तीसगढ़ को विकसित प्रदेश बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं।